PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/
निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)
01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ़, मंगलवार, 6 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

Aligarh News: वीसी से मिलने पहुंचीं सुमैया को गेट पर रोका, बैरंग लौटीं

एएमयू में छात्रसंघ चुनाव के लिए आंदोलन तेज हो गया है। सोमवार को कुलपति से मिलने पहुंचीं सपा प्रवक्ता सुमैया राणा को गेट पर रोक दिया गया। वहीं, छात्रों और कुलपति के बीच बैठक बेनतीजा रही।

छात्रसंघ चुनाव के लिए 15 दिन से निलंबित छात्र यासिर फहद डक पॉन्ड पर भूख हड़ताल पर बैठे हैं। धरने को समर्थन देने पहुंचीं सुमैया कुलपति प्रो. नईमा खातून से मिलने उनके कार्यालय आ रही थीं, तभी उनके वाहनों को बाब-ए-सैयद पर रोक दिया गया। यहां से वह पैदल कुलपति कार्यालय आईं, लेकिन गेट पर सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया।

इस दौरान उनकी सुरक्षाकर्मियों से नोकझोंक भी हुई। सुरक्षाकर्मियों ने उनसे कहा कि अगर उनके पास कुलपति से मिलने का कोई अनुमति पत्र या अप्वाइंटमेंट हों, तो बताएं। अगर नहीं है तो उन्हें वापस जाना पड़ेगा। कुछ देर तक इंतजार करने के बाद वह वापस लौट गईं। सुमैया ने कहा कि यासिर की हालत लगातार बिगड़ रही है। इसके बावजूद कुलपति उनसे मिलने नहीं पहुंचीं।

सुमैया के साथ सपा महिला सभा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह आदि मौजूद रहे। इस संबंध में प्रॉक्टर प्रो. मोहम्मद नवेद खान ने बताया कि सुमैया के पास कुलपति से मिलने के लिए कोई अप्वाइंटमेंट नहीं था, इसलिए उन्हें मिलने से रोका गया।

पहले प्रॉक्टर का इस्तीफा, फिर छात्रसंघ चुनाव पर होगी बात

कुलपति से मिलने के बाद प्रतिनिधिमंडल में शामिल छात्रों ने कहा कि पहले प्रॉक्टर का इस्तीफा होना चाहिए, उसके बाद ही छात्रसंघ चुनाव पर बात की जाएगी। छात्रों ने कहा कि उन्होंने कुलपति के समक्ष पुरजोर तरीके से बात रखी। उन्होंने कहा कि पहले प्रॉक्टर का इस्तीफा होना चाहिए। फिर अन्य मांगों पर बातें की जाएंगी।

छात्रों और कुलपति के बीच बैठक में नहीं निकला रास्ता

छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति प्रो. नईमा खातून से उनके कार्यालय में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने अपनी चिंताएं रखीं और अधिकारियों ने छात्रों के साथ चर्चा की। दोनों तरफ से अपनी-अपनी बातें रखी गईं, लेकिन बैठक में कोई रास्ता नहीं निकला। बैठक में सहकुलपति प्रो. मोहम्मद मोहसिन खान, रजिस्ट्रार प्रो. आसिम जफर, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एम. अतहर अंसारी आदि मौजूद रहे।

आठ साल से नहीं हुए छात्रसंघ चुनाव

एएमयू टीचर्स एसोसिएशन (अमुटा) ने लंबे समय से चुनाव नहीं होने पर नाराजगी जताई। सचिव डॉ. अशरफ मतीन ने कहा कि शिक्षक किसी नए अधिकार या सुविधा की मांग नहीं कर रहे हैं। उनकी मांग सिर्फ इतनी है कि यूनिवर्सिटी के एक्ट में पहले से दर्ज निर्वाचित प्रतिनिधित्व की व्यवस्था बहाल की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनाव नहीं कराए गए तो शिक्षक विभाग-दर-विभाग अपने साथियों से संपर्क करेंगे और जरूरत पड़ने पर सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

Aligarh News: लेखपाल पर 10 हजार रुपये रिश्वत लेने का आरोप

कोल तहसील में पैतृक भूमि के अंश निर्धारण, पैमाइश और सीमांकन के नाम पर लेखपाल पर 10 हजार रुपये रिश्वत लेने का आरोप लगा है। सराय मान सिंह निवासी अशोक कुमार ने डीएम और भ्रष्टाचार निवारण संगठन से शिकायत कर जांच व कार्रवाई की मांग की है। मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं।

शिकायतकर्ता के मुताबिक, गुरसिकरन और नगला कूतिया में उनकी पैतृक भूमि है। अंश निर्धारण और पैमाइश की रिपोर्ट लगाने के नाम पर लेखपाल ने 10 हजार रुपये लिए, लेकिन काम नहीं किया। शिकायतकर्ता ने रिश्वत संबंधी बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग होने का दावा भी किया है। उनका कहना है कि जांच अधिकारी के मांगने पर ऑडियो उपलब्ध कराई जाएगी।

उधर, लेखपाल श्वेत निशा ने रिश्वत लेने के आरोपों को गलत बताया है। उनका कहना है कि उन्हें कोई पैसा नहीं दिया गया। अंश निर्धारण संबंधी प्रार्थनापत्र की जांच के बाद रिपोर्ट लगा दी गई है। जांच में अंश निर्धारण संभव नहीं पाया गया। संबंधित आवेदक न्यायालय में अपनी पैरवी कर सकता है। एसडीएम कोल गजेंद्र सिंह के मुताबिक इस मामले में जांच के निर्देश मिलने के बाद प्रकरण की जांच की जा रही है।

रिपोर्ट में यह भी सवाल उठाया गया है कि विपक्षी पक्ष के 17 सितंबर को वाद दाखिल करने के बाद 21 सितंबर को ही लेखपाल ने रिपोर्ट क्यों लगाई। रिपोर्ट में दर्ज तथ्यों की भी जांच की मांग की गई है।

Aligarh News: मसूदाबाद में नाले में मिला युवक का शव

सोमवार को बन्नादेवी थाना क्षेत्र में मसूदाबाद बस स्टैंड के पास एक नाले में युवक का शव पड़ा मिला। शव से दुर्गंध आने पर आसपास के लोगों को इसकी जानकारी हुई।

पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र लगभग 35 वर्ष है। उसने जींस और टी-शर्ट पहनी थी। प्रारंभिक जांच में शव करीब तीन से चार दिन पुराना लग रहा है। पुलिस को शरीर पर प्रथम दृष्टया कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं। सीओ धनंजय कुमार ने बताया कि पुलिस लापता लोगों की जानकारी जुटा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेजा गया है और पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। मामले की जांच जारी है।

Aligarh News: श्रीराम के जन्म की लीला देख आनंद में डूबे भक्त

जीटी रोड स्थित रामलीला भवन में सोमवार रात जैसे ही भगवान श्रीराम के जन्म का प्रसंग मंच पर आया, पूरा माहौल बदल गया। अयोध्या के रूप में सजा रामलीला परिसर बधाई गीतों से गूंज उठा। आनंद में डूबे भक्तों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। श्री रामलीला गोशाला कमेटी के तत्वावधान में सर्वोदय गणेश रामलीला मंडल, मथुरा की ओर से आयोजित रामलीला में श्रीराम जन्म से लेकर ताड़का, मारीच और सुबाहु वध तक की लीला का मंचन हुआ।

इसके बाद अहिल्या उद्धार का प्रसंग मंचित हुआ। इस दौरान अध्यक्ष विमल अग्रवाल, सचिव अरविंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष टीएन मित्तल एडवोकेट, संयोजक अन्नू बीड़ी, ऋषभ गर्ग, विक्रांत गर्ग, संयम पाराशर, आकाश अग्रवाल, मीडिया प्रभारी कमल अरोड़ा आदि थे।

नगला बरौला की रामलीला में जन्मे चारों भाई

नगला बरौला बाईपास रोड स्थित श्री ग्यासीराम रामलीला महोत्सव में सोमवार को निर्देशक योगेश राजपूत के निर्देशन में कलाकारों ने प्रसंगों को जीवंत किया। रामलीला मंचन में दिखाया गया कि रावण को वरदान मिलने के बाद उसके अत्याचार बढ़ गए। पृथ्वी माता की व्याकुलता पर देवताओं ने भगवान विष्णु से धर्म की रक्षा की प्रार्थना की।

इसी क्रम में अयोध्या में राजा दशरथ ने गुरु वशिष्ठ के परामर्श पर शृंगी ऋषि से पुत्रेष्टि यज्ञ कराया। यज्ञ से प्रसन्न होकर अग्निदेव प्रकट हुए और दिव्य प्रसाद प्रदान किया। इसके बाद महारानी कौशल्या, कैकेयी और सुमित्रा के यहां श्रीराम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न का जन्म हुआ।

Aligarh News: तीन तलाक के बाद हलाला के नाम पर बंधक बनाने का आरोप

बन्ना देवी क्षेत्र की महिला ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि पति ने तीन तलाक देने के बाद हलाला के नाम पर उसे बंधक बनवा दिया। कई दिनों तक उसके साथ जबरदस्ती की गई और विरोध करने पर चेहरा तेजाब से बिगाड़ने की धमकी दी गई।

सोमवार को महिला करणी सेना के पदाधिकारियों के साथ एसपी सिटी कार्यालय पहुंची और प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। महिला के मुताबिक उसका निकाह 10 नवंबर 2024 को भुजपुरा निवासी युवक के साथ हुआ था। शादी में करीब 15 लाख रुपये खर्च किए गए। इसके बावजूद ससुराल पक्ष की ओर से दहेज की मांग को लेकर उसे परेशान किया जाता रहा।

मामले में उसने बन्ना देवी थाने में प्राथमिकी भी दर्ज कराई। आरोप है कि 23 मई को पति और ससुराल पक्ष के लोगों ने समझौते की बात कहते हुए उसे परिवार से अलग किराये के मकान में रखा। वहां पति ने उसके साथ मारपीट की और तीन तलाक दे दिया। इसके बाद दोबारा निकाह के लिए हलाला करने का दबाव बनाया गया।

आरोप लगाया कि पति के भाइयों ने करीब 15 दिन तक उसके साथ जबरदस्ती की। इसके बाद एक मौलवी को बुलाकर जबरन निकाह पढ़ाया गया। नौ सितंबर की रात भी उसके साथ मारपीट की गई। इसी दौरान उसने किसी तरह अपनी बहन और दुबई में रह रहे भाई को संदेश भेजकर घटना की जानकारी दी।

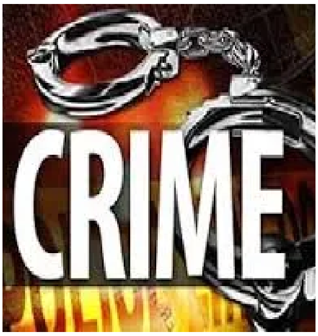

परिजन पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और उसे वहां से बाहर निकालकर अपने साथ ले गए। पीड़िता ने बताया कि मामले में कार्रवाई न होने पर उसने करणी सेना के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ठा. ज्ञानेंद्र सिंह चौहान से संपर्क किया। एसपी सिटी आदित्य बंसल ने मामले की जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

Aligarh News: परिवार को कमरे में बंद कर लगाई आग, आरोपी गिरफ्तार

कोतवाली नगर क्षेत्र के भुजपुरा में घरेलू विवाद के बाद युवक ने पत्नी समेत परिवार के पांच लोगों को कमरे में बंद कर घर में आग लगा दी। पुलिसकर्मियों और पड़ोसियों ने किसी तरह सभी को बाहर निकाला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

घटना कवेला रोड स्थित कब्रिस्तान के पीछे की है। जोया ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रविवार रात करीब 11 बजे उसका भाई सोहिल पत्नी अलीना के साथ मारपीट कर रहा था। मां रेशमा, बहनों अनम और मुस्कान तथा नाना सईद अहमद ने बीच-बचाव किया तो सोहिल गाली-गलौज करते हुए ईंट-पत्थर फेंकने लगा। इसके बाद सभी लोग डरकर एक कमरे में चले गए।

आरोप है कि सोहिल ने कमरे का दरवाजा बाहर से बंद कर आग लगा दी। धुआं बढ़ने पर मुस्कान ने अपने पति साजिद को फोन कर सूचना दी। साजिद मोहल्ले के लोगों के साथ पहुंचा और पड़ोसी की छत से घर में दाखिल होकर मुख्य दरवाजा खोला। इसके बाद कमरे में बंद पांचों लोगों को बाहर निकाला गया।

सीओ संजीव कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी सोहिल को गिरफ्तार कर लिया गया है। सोमवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया।

Aligarh News: गूलर रोड पर जनरल स्टोर में लगी आग, लाखों का सामान जला

शक्तिनगर, नगला मसानी स्थित सोनू जनरल स्टोर में सोमवार दोपहर अचानक आग लग गई। दुकान से धुआं उठता देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया और दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड को टूटी पुलिया के कारण आग बुझाने के काम में बाधा का सामना करना पड़ा।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दुकान के पास स्थित चाय की दुकान पर कुछ लोग बैठे थे। इसी दौरान उन्होंने सोनू जनरल स्टोर से धुआं निकलता देखा। लोगों ने तत्काल इसकी जानकारी मकान मालिक को दी। पता चला कि दुकान संचालक दीपक उर्फ सोनू खाना खाने के लिए घर गए हुए थे। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस और अग्निशमन विभाग को आग की सूचना दी। इस बीच आग लगातार फैलती रही। आसपास के लोगों ने अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि शक्तिनगर में टूटी पुलिया के कारण दमकल की गाड़ी को घटनास्थल तक पहुंचने में परेशानी हुई। काफी देर बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची, जिसके बाद दमकलकर्मियों ने आग बुझाने का काम शुरू किया। काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका। वरिष्ठ अग्निशमन अधिकारी मुकेश कुमार के मुताबिक आग से दुकान में रखा जनरल स्टोर का अधिकांश सामान जल गया। इससे दुकानदार को लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। आग लगने का कारण भी तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका। पुलिस और अग्निशमन विभाग मामले की जांच कर रहे हैं।

यूपी में एक और पति की हत्या: इलमा ने प्रेमी संग किया कत्ल, तालिब की 'कातिल' ने खुद कबूला; मेरठ कांड की कहानी

यूपी के मेरठ में एक और पति की हत्य का मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी महिला ने पति की मौत हार्ट अटैक बताई और शव दफना दिया। शरीर पर चोट के निशान दिखने से शक हुआ। इसके अलावा मोबाइल में प्रेमी और इलमा की बातचीत की रिकॉर्डिंग मिली तो मामले का खुलासा हुआ। मेरठ के लोहियानगर थाना क्षेत्र की जाकिर कॉलोनी में इलमा (27) ने पति तालिब (30) की प्रेमी अमन के साथ मिलकर 28 सितंबर को हत्या कर दी। इसके बाद इलमा ने हार्ट अटैक से मौत की जानकारी परिजनों को दी। परिजनों ने 29 सितंबर को मुजफ्फरनगर ले जाकर शव दफना दिया। शव दफनाने के दौरान तालिब की गर्दन आदि पर चोट के निशान देखे। इसके चलते उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। परिजनों ने इलमा पर दबाव बनाकर पूछताछ की तो उसने जुर्म कबूल कर लिया। कबूलनामे का वीडियो भी पुलिस को सौंपा। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। जाकिर कॉलोनी फतेहउल्लापुर रोड निवासी अकरम अली ने दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि उसका चचेरा भाई तालिब राजमिस्त्री था। उसकी शादी चार साल पहले अंजुम पैलेस के पास रहने वाले मोमिन की बेटी इलमा से हुई थी। उसकी तीन साल की एक बेटी है। 28 सितंबर की रात आठ बजे पड़ोसी इनाम ने उनके घर आकर सूचना दी कि तालिब की मृत्यु हो गई है। अकरम तालिब के घर पहुंचा तो देखा कि इलमा ने शव को ढक रखा था। केवल चेहरा खुला हुआ था। अत्यधिक गर्मी होने के कारण शव को अगले दिन सुबह उनके मुजफ्फरनगर स्थित पैतृक गांव रसूलपुर दभेड़ी ले जाया गया। यहां शव को बर्फ पर रखा गया और दोपहर लगभग तीन बजे के बाद दफना दिया।

घर का सामान पैक करने लगी इलमा

तहरीर के अनुसार, कई लोगों ने शव की तस्वीरें ली थीं। इसमें तालिब के गले पर काला निशान दिखाई दिया। वहीं, इलमा का व्यवहार भी सामान्य नहीं था। वह घर के सामान को पैक करने में लगी थी। अगले दिन रिश्तेदारों के आने पर इनाम ने बताया कि उसने इलमा को फतेहउल्लापुर रोड (60 फुटा) स्थित सिग्नेचर स्टाइल ब्यूटी स्टूडियो के मालिक अमन के साथ कई बार आपत्तिजनक स्थिति में पार्क व अन्य जगहों पर घूमते देखा था। इस बात की शिकायत उसने पहले भी तालिब से की थी। इस मामले में तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई। इसके बाद इलमा का वीडियो मिला है। पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में जुटी है। जल्द उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। तालिब के शव को मंगलवार को कब्रिस्तान से निकलवाकर पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इसके लिए प्रशासन से अनुमति ले ली गई है।

मोबाइल में मिली अमन और इलमा की बातचीत की रिकॉर्डिंग

एक अक्तूबर को रिश्तेदारों ने इलमा से तालिब का मोबाइल मांगा तो उसने फोन न मिलने की बात कहकर उसे छिपाए रखा। दो अक्तूबर को जब अकरम, दिलदार और शारिक ने घर जाकर दोबारा तलाशी ली तो तालिब का फोन कपड़ों में छिपा मिला। मोबाइल की कॉल डिटेल और अमन व इलमा के बीच बातचीत की रिकॉर्डिंग चेक करने पर उनके संबंधों की पुष्टि हो गई।

बोली- मैंने पैर और दोस्त ने हाथ पकड़े, अमन ने दुपट्टे से गला दबाया

इलमा ने बताया कि तालिब उसे पीटता था। 28 सितंबर को भी उसका सिर दीवार पर मारा। उसने अमन को फोन कर बुलाया। अमन अपने दोस्त के साथ पहुंचा। तीनों ने तालिब को पीटा और जमीन पर गिरा दिया। इलमा, तालिब के दोनों पैर पकड़कर बैठ गई। दोस्त ने उसके दोनों हाथ पकड़ लिए और अमन ने इलमा के दुपट्टे से उसका गला दबाकर हत्या कर दी।

यूपी: लखनऊ एयरपोर्ट परिसर में लगी भीषण आग, दो मजदूर झुलसे; दो किमी तक दिखा धुआं, फायर ब्रिगेड बुझाने में जुटी

लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट परिसर में मजदूरों की लेबर कॉलोनी में भीषण आग लग गई। हादसे में दो मजदूर झुलस गए, जिन्हें अस्पताल भेजा गया। करीब 352 मजदूरों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दमकल की नौ गाड़ियों ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट परिसर में मंगलवार सुबह करीब 6:30 बजे मजदूरों की लेबर कॉलोनी में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में लपटें और धुआं दूर से दिखाई देने लगा। हादसे के बाद मजदूरों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक, एयरपोर्ट परिसर में टाटा प्रोजेक्ट्स की ओर से मजदूरों के रहने के लिए पीवीसी पैनल से तीन मंजिला आवास बनाया गया था। इसमें करीब 352 मजदूर रह रहे थे। बताया गया कि सुबह एक मजदूर सिलेंडर से खाना बना रहा था, तभी अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया।

आग फैलने से पहले ही सभी मजदूरों को आवास से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि सामान निकालने की कोशिश में निर्मल और राहुल नाम के दो मजदूर झुलस गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। सूचना मिलते ही दमकल की नौ गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से ग्राउंड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर पूरी तरह जल गए, जबकि ऊपर के हिस्से भी प्रभावित हुए हैं। थाना प्रभारी राजदेव प्रजापति के मुताबिक, आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। एयरपोर्ट की सुरक्षा टीम के साथ सरोजनीनगर पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। राहत की बात यह रही कि समय रहते सभी मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया और बड़ा जनहानि का हादसा टल गया।

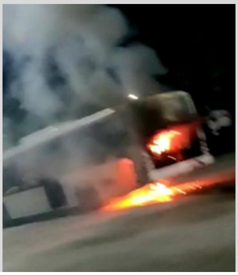

राज्यसभा सूची: अगड़ों को साधने के साथ पिछड़ों-दलितों को भी संदेश, एक नहीं दोनों चुनावों को साधने की कोशिश

BJP Rajya Sabha list in UP: यूपी में भाजपा ने सोमवार को आठ राज्यसभा प्रत्याशियों की सूची जारी की है। इस सूची में भाजपा ने किसी भी बाहरी नेता के बजाय कैडर भी दांव लगाया है।

भारतीय जनता पार्टी ने राज्यसभा की दस सीटों के चुनाव के लिए आठ उम्मीदवारों की घोषणा के साथ सिर्फ उच्च सदन का गणित नहीं साधा है, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव से लेकर 2029 के लोकसभा चुनाव तक के लिए राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की है।

सूची में पुराने और निष्ठावान कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता देकर पार्टी ने मूल काडर को भरोसा दिलाया है कि संगठन में लंबी पारी और निष्ठा का सम्मान होगा। अगड़ों के बीच बनी नाराजगी को थामने के साथ पिछड़े और दलित वर्गों को भी मजबूती से जोड़े रखने की कवायद की है।

पार्टी ने मौजूदा आठ राज्यसभा सदस्यों में किसी को दोबारा मौका नहीं दिया। केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह जैसे पश्चिमी यूपी के प्रभावशाली चेहरों को भी सूची से बाहर रखा। इसके उलट कैबिनेट मंत्री धर्मपाल को राज्यसभा भेजकर पार्टी ने पश्चिमी यूपी में पिछड़े नेतृत्व की नई धुरी खड़ी करने का संकेत दिया है। वहीं, रुहेलखंड के कद्दावर कुर्मी नेता और झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार की पुत्री श्रुति के चयन ने परिवारवाद और संगठनात्मक निष्ठा के बीच भाजपा की कसौटी को लेकर नया सवाल खड़ा कर दिया है। यह सूची इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी के निर्णायक दौर में है। ऐसे समय में राज्यसभा के लिए चेहरे चुनना महज दिल्ली भेजने की कवायद नहीं, बल्कि अलग-अलग सामाजिक समूहों, क्षेत्रों और संगठनात्मक धड़ों को संदेश देने का जरिया भी है।

उत्तराखंड: विशेष TET के लिए शासन ने मंगाया यूपी का आदेश, प्रदेश में 20 हजार शिक्षकों की नौकरी पर संकट

सुप्रीम कोर्ट के टीईटी संबंधी आदेश के बाद उत्तराखंड में बड़ी संख्या में शिक्षकों के भविष्य को लेकर असमंजस बना हुआ है। मामले का रास्ता तलाशने के लिए अब शिक्षा विभाग ने उत्तर प्रदेश में लागू विशेष टीईटी से जुड़े आदेश का परीक्षण शुरू किया है।

उत्तराखंड में करीब 20 हजार शिक्षकों की नौकरी पर संकट मंडरा रहा हैं। विशेष टीईटी से संबंधित मुख्यमंत्री के निर्देश और प्रमुख सचिव के आदेश के बाद भी विभाग की ओर से अभी कोई रास्ता नहीं निकाला जा सका है। शिक्षा सचिव ज्योति यादव के मुताबिक मामले में यूपी का विशेष टीईटी आदेश मंगा लिया गया है। जिसका परीक्षण किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कक्षा एक से आठवीं तक के सभी शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य किया है। 31 अगस्त 2028 तक टीईटी न कर पाने वाले शिक्षकों की सेवाएं समाप्त की जाएंगी। वहीं, इस तरह के शिक्षकों की इस दौरान पदोन्नति भी नहीं हो पाएगी। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के मुताबिक करीब 12 हजार शिक्षक प्रारंभिक शिक्षा में हैं। जो टीईटी नहीं हैं, जबकि माध्यमिक शिक्षा में इस तरह के शिक्षकों की संख्या करीब सात से आठ हजार है।

हजारों शिक्षकों की निगाहें शासन के अगले कदम पर टिकी

हालांकि इसमें करीब पांच हजार शिक्षकों की आयु 55 साल या फिर इससे अधिक है, लेकिन इन्हें पदोन्नति के लिए टीईटी करना अनिवार्य है। उत्तराखंड में शिक्षक टीईटी से मुक्त रखने या फिर यूपी की तर्ज पर विशेष टीईटी कराने की मांग कर रहे हैं। इस मामले में शिक्षकों के मुख्यमंत्री से मिलने के बाद सीएम ने प्रमुख सचिव रमेश कुमार सुधांशु को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। जिसके बाद से हजारों शिक्षकों की निगाहें शासन के अगले कदम पर टिकी है। शिक्षकों का कहना है कि इस प्रकरण में जब तक अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, तब तक उनके भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी रहेगी। यूपी के विशेष टीईटी के आदेश का परीक्षण किया जा रहा है, वहां इस मामले में इलाहबाद हाईकोर्ट में याचिका भी दाखिल है। इस पर क्या आदेश आता है इसे देखने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। यूपी की तर्ज पर विशेष टीईटी के लिए मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, लेकिन इस मामले में अब तक कुछ नहीं हुआ, यूपी में विशेष टीईटी को लेकर इलाहबाद हाईकोर्ट का फैसला आ चुका है। -विनोद थापा, प्रदेश अध्यक्ष, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ

फॉर्म-6 पर गरमाई सियासत: सीईसी के खिलाफ विपक्ष ने खोला मोर्चा, पूछा- जनता को बताएं आखिर बदलाव किसने किए?

सुप्रीम कोर्ट द्वारा संशोधित फॉर्म-6 को मंजूरी नहीं दिए जाने की टिप्पणी के बाद इंडिया ब्लॉक ने सीईसी ज्ञानेश कुमार पर निशाना तेज कर दिया है। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी का हवाला देकर देश को गुमराह किया है।

इंडिया ब्लॉक के चुनाव आयोग तक मार्च से पहले मंगलवार को आरजेडी सांसद मनोज झा और सीपीआई सांसद पी. संदोश कुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तीखा हमला बोला। दोनों नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट की उस हालिया टिप्पणी का हवाला दिया, जिसमें अदालत ने साफ किया कि उसने फॉर्म-6 में किए गए बदलावों को मंजूरी नहीं दी थी। विपक्ष ने इसे चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल बताते हुए कहा कि ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में निष्पक्ष चुनाव को लेकर भरोसा नहीं बचा है।

'जब सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी ही नहीं दी तो तैयारी कैसी?'

मनोज झा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि अब किसी और तैयारी की जरूरत ही क्या रह गई है। उन्होंने कहा, 'कल माननीय सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने फॉर्म-6 को मंजूरी तक नहीं दी थी। कोर्ट ने यह भी कहा कि सभी एकतरफा फैसलों को रद्द किया जाना चाहिए। तो फिर क्या कोई और तैयारी बाकी है?' झा ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर सीधे निशाना साधते हुए कहा, 'उनकी अध्यक्षता में कोई चुनाव निष्पक्ष नहीं हो सकता।'

'लोकतंत्र को फिर उसकी पूरी ताकत देनी होगी'

आरजेडी सांसद ने कहा कि विपक्षी सांसद चुनाव आयोग के सामने अपनी चिंताएं रखने जा रहे हैं। उन्होंने देश में लोकतंत्र की स्थिति पर भी सवाल उठाया और कहा कि अब जरूरत है कि भारतीय लोकतंत्र को उसकी पूरी ताकत और गरिमा वापस दिलाई जाए। झा के मुताबिक, 'आज जब हम चुनाव आयोग की ओर बढ़ रहे हैं, तो देश को एक सीमित और कमजोर स्थिति में पहुंचा दिया गया है। हमें अपने लोकतंत्र के उस भव्य स्वरूप को फिर से बहाल करना होगा, जो उसकी पहचान है।'

'चुनाव आयोग ने कहा था, सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिली थी'

सीपीआई सांसद पी. संदोश कुमार ने भी फॉर्म-6 के मुद्दे पर सीईसी ज्ञानेश कुमार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने पहले दावा किया था कि फॉर्म-6 में किए गए बदलाव सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बाद ही लागू किए गए थे। उन्होंने कहा, 'यह टिप्पणी बेहद गंभीर है, क्योंकि 26 सितंबर को चुनाव आयोग ने एक बयान जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि सुप्रीम कोर्ट ने उनके रुख को मंजूरी दी है। यानी यह बताया गया था कि सुप्रीम कोर्ट की अनुमति से ही वे बदलाव लागू किए गए।'

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से विपक्ष को मिला नया हथियार

फॉर्म-6 पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने विपक्ष को चुनाव आयोग पर हमला करने का एक नया आधार दे दिया है। मंगलवार के मार्च से पहले इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने इसे गंभीर मुद्दा बनाते हुए सीईसी ज्ञानेश कुमार पर सवाल खड़े किए हैं। ऐसे में निर्वाचन सदन तक होने वाला यह मार्च चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सूचियों को लेकर चल रही राजनीतिक लड़ाई को और तेज कर सकता है।

'सेव डेमोक्रेसी' अभियान से बढ़ेगा टकराव

निर्वाचन सदन तक होने वाला यह मार्च विपक्ष के व्यापक "सेव डेमोक्रेसी" अभियान का हिस्सा है। इस अभियान के तहत इंडिया ब्लॉक के नेता चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन और अलग-अलग सार्वजनिक कार्यक्रम कर रहे हैं। कई इंडिया ब्लॉक दलों के नेता इस मार्च में शामिल होंगे और चुनाव आयोग के सामने अपनी शिकायतें और चिंताएं रखेंगे। विपक्ष का यह आंदोलन ऐसे समय हो रहा है, जब मतदाता सूचियों से जुड़े मुद्दों को लेकर चुनाव आयोग और विपक्ष के बीच टकराव लगातार बढ़ रहा है।

'सुप्रीम कोर्ट के नाम पर देश को गुमराह किया गया'

संदोश कुमार ने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणी से साफ हो गया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने देश को गुमराह किया। उन्होंने कहा, 'लेकिन कल की टिप्पणी के बाद एक बात बिल्कुल साफ हो गई है। ज्ञानेश कुमार झूठ बोल रहे थे और सुप्रीम कोर्ट का नाम लेकर देश को गुमराह कर रहे थे। यह बेहद गंभीर अपराध है।'

'वोट चोरी' के बाद अब फॉर्म-6 भी विपक्ष का नया मुद्दा

सीपीआई सांसद ने कहा कि फॉर्म-6 का विवाद अब सीईसी के खिलाफ विपक्ष के आरोपों में एक और बड़ा मुद्दा बन गया है। उन्होंने इसे विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे कथित "वोट चोरी" के आरोपों से भी जोड़ दिया। संदोश कुमार ने तीखे अंदाज में कहा, 'ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एक और आरोप जुड़ गया है। वोट चोरी के अलावा यह भी अब एक बेहद महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। दरअसल, चीफ इलेक्शन कमिश्नर का मतलब ही 'चोर इलेक्शन कमिश्नर' हो गया है।'

फॉर्म-6 पर सीजेआई ने क्या कहा था?

फॉर्म-6 को लेकर यह विवाद उस समय और गहरा गया, जब मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने और उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने साफ शब्दों में कहा, 'हमने किसी भी संशोधित फॉर्म-6 को मंजूरी नहीं दी है। यह स्पष्ट कर देते हैं। जब रिकॉर्ड हमारे सामने पेश किया जाएगा, तो हम देखना चाहेंगे कि इसे किसने संशोधित किया।'

चुनाव आयोग के खिलाफ सड़क पर उतर रहा इंडिया ब्लॉक

इसी मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों के नेता और सांसद मंगलवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी में चुनाव आयोग के मुख्यालय निर्वाचन सदन की ओर मार्च करने वाले हैं। यह प्रदर्शन विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और सीईसी ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर किया जा रहा है। विपक्ष लगातार चुनावी मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ियों और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता की मांग उठाता रहा है। इंडिया ब्लॉक के नेताओं का कहना है कि मतदाता सूची से जुड़े मामलों में स्पष्टता और जवाबदेही जरूरी है।

भाजपा: विपक्ष के चुनाव आयोग के खिलाफ मार्च पर संबित पात्रा का पलटवार, कहा- संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश

मंगलवार को इंडिया ब्लॉक चुनाव आयोग तक मार्च करेगा। इस पर हमला साधते हुए भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने विपक्ष पर संवैधानिक संस्थाओं, सेना, ईवीएम और हिंदुओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राहुल गांधी को लॉन्च करने में विफल रही। आइए जानते हैं कि उन्होंने और क्या कहा?

इंडिया ब्लॉक मंगलवार को संसद से चुनाव आयोग के तक मार्च करेगा। इसी बीच भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने विपक्ष पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बना रहा है। अब यह कुछ दिन से चुनाव आयोग्य को निशाना साध रहे हैं। इन्होंने सेना, ईवीएम, हिंदुओं को निशाना बनाया। दरअसल, कांग्रेस राहुल गांधी को लॉन्च करने में असफल रही।

संबित पात्रा ने क्या बोला?

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कहा, ' विपक्षी पार्टियों, खासकर कांग्रेस की तरफ से एक प्रायोजित कोशिश की जा रही है कि देश में सत्ता कैसे बदली जाए और राहुल गांधी को बस ऐसे ही सत्ता में कैसे बिठाया जाए। इसके लिए, भारत के लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं पर प्रायोजित तरीके से हमले किए जा रहे हैं। यह कुछ महीने पहले शुरू नहीं हुआ, यह वर्षों से चल रहा है। शुरू से ही कांग्रेस राहुल गांधी को किसी तरह लॉन्च और री-लॉन्च करने की कोशिश करती रही है।'

उन्होंने आगे कहा कि कई कोशिशों के बावजूद जब राहुल गांधी को लॉन्च नहीं किया जा सका, तो आखिरकार कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगियों ने तय किया कि भले ही उन्हें भारत के लोकतंत्र पर हमला करना पड़े और भारत में अराजकता फैलानी पड़े, वे इससे पीछे नहीं हटेंगे, बल्कि किसी भी तरह से राहुल गांधी को लॉन्च करने की कोशिश करेंगे।

'भारतीय सेना पर करते हैं हमला'

संबित पात्रा ने कहा, 'समय-समय पर भारतीय सेना, भारत के सुप्रीम कोर्ट, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL), भारतीय हिंदुओं और ईवीएम पर हमले किए गए हैं। पिछले कई हफ्तों और महीनों से चुनाव आयोग पर भी हमले हो रहे हैं। हमें लगता है कि चुनाव आयोग का इस्तेमाल करके कांग्रेस आज भी अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश करेगी।

'हमारी मदद ज्ञानेश जी नहीं, बल्कि गणेश जी कर रहे'

उन्होंने आगे कहा कि हमारी मदद ज्ञानेश जी नहीं, बल्कि गणेश जी कर रहे हैं। भाजपा की मदद बुद्धि, ज्ञान और समझ के देवता गणेश जी कर रहे हैं, न कि ज्ञानेश जी। भारत के लोगों में बुद्धि, ज्ञान और समझ है। वे जानते हैं कि उन्हें परिवारवाद, भ्रष्टाचार और आतंकवादियों का साथ देने वालों को वोट नहीं देना है। ऐसे लोग जो कैप्टन स्मित के लिए एक ट्वीट तक नहीं कर सकते। वे जानते हैं कि उन्हें उसे वोट देना है जो कहता है, 'मैं देश नहीं झुकने दूंगा'।'

विपक्षी का मार्च प्रदर्शन

बता दें कि विपक्षी नेता और सांसद राष्ट्रीय राजधानी में भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के मुख्यालय 'निर्वाचन सदन' तक मार्च करने वाले हैं। यह मार्च 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (एसआईआर) प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर उनके चल रहे विरोध प्रदर्शन का हिस्सा है।

यह मार्च मतदाता सूची में कथित खामियों के खिलाफ विपक्ष के लगातार अभियान और चुनाव आयोग से ज्यादा पारदर्शिता की मांग के बीच हो रहा है। 'इंडिया' (INDIA) गठबंधन की कई पार्टियों के नेताओं के इस मार्च में शामिल होने और चुनाव आयोग के सामने अपनी चिंताएं रखने की उम्मीद है।

'वोटों की हेराफेरी से जीता बंगाल चुनाव': कांग्रेस ने पीएम और गृहमंत्री पर लगाए आरोप, सीईसी का मांगा इस्तीफा

कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल चुनाव और एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ प्रधानमंत्री और गृह मंत्री पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही कांग्रेस ने यह भी दावा किया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त को किसी भी हाल में इस्तीफा देना ही पड़ेगा।

कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी ने दावा किया कि चुनाव में बड़े पैमाने पर हेरफेर और धांधली हुई और इसकी निगरानी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में हुई। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि अगर 'पुतले' को जाना है तो उसके पीछे खड़े दो 'सूत्रधारों' को भी जवाबदेह ठहराना होगा।

चुनाव आयोग के 'क्लोजेट' से निकल रहे नए कंकाल: जयराम रमेश

जयराम रमेश ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक मीडिया रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पश्चिम बंगाल में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर एसआईआर से जुड़ी अपीलों की सुनवाई के लिए नियुक्त किए गए एक दर्जन से ज्यादा ट्रिब्यूनल के न्यायाधीशों ने चुनाव आयोग के आईटी विभाग की ओर से बनाए गए डिजिटल पोर्टल में कई गंभीर खामियां बताई हैं। इन अपीलों में हटाए गए 27 लाख मतदाताओं से जुड़े मामले भी शामिल हैं। रमेश ने अपनी पोस्ट में कहा, 'भारत के चुनावी चूक आयोग की अलमारी से लगातार और कंकाल बाहर निकल रहे हैं।'

'हर कीमत पर चुनाव जीतना था'

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति किसी भी कीमत पर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को अपने पक्ष में करना थी। उन्होंने इसे 'बड़े पैमाने पर हेरफेर और धांधली का पाठ्यपुस्तक जैसा उदाहरण' बताया और कहा कि इसकी निगरानी मुख्य चुनाव आयुक्त ने की। रमेश ने कहा कि 'पुतले को तो जाना ही होगा, लेकिन दो सूत्रधारों को भी जवाबदेह ठहराना होगा।' उनका इशारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह की ओर था।

'अब हिसाब का वक्त दूर नहीं'

रमेश ने आगे कहा कि ये लोग पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं और अब इनके लिए जवाबदेही का समय ज्यादा दूर नहीं है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को INDIA गठबंधन के सांसदों के साथ-साथ दूसरे विपक्षी दलों के सांसद भी चुनाव आयोग के दफ्तर तक शांतिपूर्ण मार्च निकालेंगे। इन सांसदों को भी मार्च में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस मार्च का मकसद मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग करना है।

संसद परिसर में सुरक्षा को लेकर भी कांग्रेस ने उठाए सवाल

रमेश ने संसद परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संसद परिसर में पहले से ही 'अभूतपूर्व सुरक्षा घेराबंदी' जैसी स्थिति नजर आ रही है। उनके मुताबिक, इससे ऐसा लगता है कि सूत्रधारों की जोड़ी काफी घबराई हुई है।

फॉर्म-6 को लेकर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से बढ़ा विवाद

कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दलों का चुनाव आयोग पर हमला उस वक्त और तेज हो गया, जब सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसने फॉर्म-6 में किसी भी बदलाव को मंजूरी नहीं दी है। विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के तत्काल इस्तीफे की मांग करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के दबाव में संविधान के साथ विश्वासघात किया और SIR प्रक्रिया के लिए फॉर्म में एकतरफा बदलाव किए।

मध्य वर्ग को नुकसान: भारतीय अस्पतालों पर वॉल स्ट्रीट का 95,000 करोड़ का दांव; बोर्डरूम में खेल, मरीजों पर डाका

अमेरिकी शेयर बाजार के बड़े निवेशक भारतीय अस्पतालों में निवेश के अवसरों को देखकर हजारों करोड़ के दांव लगा रहे हैं। हालांकि, बाजारों से जुड़े इस मामले में मध्य वर्ग को नुकसान हो रहा है। बोर्डरूम के अंदर होने वाले खेल से मरीजों की जेब पर डाका डाला जा रहा है। जानिए क्या है पूरा मामला

दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते अस्पताल बाजार की तलाश में वॉल स्ट्रीट के दिग्गज निवेशक भारत पहुंचे लेकिन अरबों डॉलर के निवेश के साथ ही अब भारतीय स्वास्थ्य सेवा के सबसे बड़े सवाल पर आर-पार की जंग छिड़ गई है कि इतना महंगा मेडिकल बिल आखिर भरेगा कौन

कंसल्टेंसी फर्म ईवाई के आंकड़ों के मुताबिक, बीते 5 वर्षों में ब्लैकस्टोन केकेआर, टीपीजी, टेमासेक और जनरल अटलांटिक जैसे वैश्विक निजी निवेश फंड्स (पीई फंड्स) ने भारतीय अस्पतालों में हिस्सेदारी खरीदने के लिए लगभग 10 अरब डॉलर यानी 95,000 करोड़ का निवेश किया है।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस विदेशी पूंजी ने देश में अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण, नए बेड और बड़े अस्पतालों के विलय को बढ़ावा तो दिया है, लेकिन इसने भारत के मध्यम वर्ग के लिए इलाज को पहुंच से बाहर भी कर दिया है। उधर, बीमा कंपनियों का आरोप है कि वॉल स्ट्रीट फंड्स से चलने वाले अस्पताल अपने मुनाफेको चमकाने के लिए बिलों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं और मरीजों पर गैर-जरूरी व महंगी रोबोटिक सर्जरी थोप रहे हैं।

रोबोटिक सर्जरी का फरेब और मरीजों की जेब पर डाका

जनरल इंश्योरेंस काउंसिल के हेल्थ इकोसिस्टम के सीईओ एस प्रकाश कहते हैं कि पीई फंड्स की पूंजी का जो टैक्स आम जनता को चुकाना पड़ रहा है, वह है इलाज की बेतहाशा लागत। सरकारी अस्पतालों की तुलना में निजी अस्पतालों में इलाज 5 से 10 गुना तक महंगा हो चुका है। निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस के सीईओ भवतोष मिश्रा का कहना है कि अस्पताल मरीजों को रोबोटिक सर्जरी की ओर धकेलते हैं, जो पारंपरिक सर्जरी से कई गुना महंगी होती है लेकिन दोनों के क्लीनिकल नतीजों में कोई खास अंतर नहीं होता।केरल के कानाटे हॉस्पिटल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की स्टेट यूनिट के पूर्व अध्यक्ष जोसेफ बेनावेन भारतीय स्वास्थ्य सेवा के इस बदले मिजाज का कड़वा सच बयां करते हैं। उन्होंने कहा, भारतीय स्वास्थ्य सेवा में सबसे बड़ा बदलाव ऑपरेशन थिएटर के भीतर नहीं, बल्कि अस्पतालों के बोर्डरूम में हुआ है।

मध्य वर्ग को नुकसान

एको के अनिमेष दास आगाह करते हैं कि इस पूरे खेल में सबसे बुरी तरह भारत का मिसिंग मिडल कुचला जाएगा यानी वे करोड़ों मध्यवर्गीय परिवार जो इतने गरीब नहीं हैं कि उन्हें सरकारी आयुष्मान योजना का लाभ मिले, और इतने अमीर भी नहीं हैं कि वे हर साल 13% की दर से बढ़ रहे मेडिकल बिलों और महंगे हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम का बोझ उठा सकें। भारत में प्रति 1,000 नागरिकों पर केवल 1.3 अस्पताल बेड हैं, जो विकसित देशों के औसत से बेहद कम है। पीई फंड्स ने इसी कमी को भुनाया। उन्होंने कार्डियक सर्जरी, ऑन्कोलॉजी (कैंसर) और ट्रांसप्लांट जैसे हाई-मार्जिन वाले स्पेशियल्टी क्षेत्रों पर अपना शिकंजा कस लिया। आज डॉक्टरों और अस्पतालों का मूल्यांकन इस आधार पर हो रहा है कि वे प्रति बेड कितना रेवेन्यू कमाते हैं और निवेशकों को कितना रिटर्न दे रहे हैं।

नकदी का नया रिकॉर्ड: एटीएम के जरिये रिकॉर्ड 2.24 लाख करोड़ रुपये की निकासी, नकद मुद्रा का आंकड़ा 43 लाख करोड़

चालू वित्त वर्ष में शाखाओं से कितनी नकद निकासी?

अगस्त 2026 में एटीएम से नकद निकासी बढ़कर 2.24 लाख करोड़ रुपये हो गई, जबकि जून 2026 में यह 2.18 लाख करोड़ रुपये थी। जून में एटीएम से कैश 2.18 लाख करोड़ रुपये था, जबकि जुलाई में यह 2.19 लाख करोड़ रुपये व अगस्त में 2.24 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह, बैंक शाखाओं से नकद निकासी चालू वित्त वर्ष में अब तक लगभग 5-6 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर स्थिर रही है।

4 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी चलन में

सिस्टम में करीब 4 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी चलन में है। इसका एक कारण अप्रैल 2025 में आरबीआई का वह नियम है, जिसके तहत 90% एटीएम में 100 और 200 रुपये जैसे छोटे मूल्यवर्ग के नोट उपलब्ध कराना अनिवार्य किया गया था। इस कारण एटीएम से 100 और 200 के नोटों निकासी भी खूब हो रही है।

एटीएम के जरिये रिकॉर्ड 2.24 लाख करोड़ रुपये की निकासी का आंकड़ा सामने आया है। नकद मुद्रा का आंकड़ा 43 लाख करोड़ पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा समय में 4 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी चलन में है। एटीएम से नगद निकालने की रफ्तार में फिर तेजी आई है। इस साल जून में 2.18 लाख करोड़ रुपये एटीएम से निकाले गए जबकि अगस्त 2026 में नकद निकासी 2.24 लाख करोड़ रुपये हो गई। यही नहीं, देश में प्रचलन में नकद मुद्रा भी बढ़ रही है। यह 43 लाख करोड़ रुपये हो गई है।एटीएम से नकद निकासी में गिरावट के रुझान के बाद कितनी तेजी?

एसीबीआई रिसर्च के मुताबिक, बैंकों से नगद निकासी व एटीएम से नगद निकासी दोनों में बढ़ोतरी दिख रही है। अप्रैल-अगस्त 2026 में बैंकों से कुल नकद निकासी औसतन करीब 7.3 लाख करोड़ रुपये रही, तीन महीनों में इसमें वृद्धि हुई है।

टाटा ट्रस्ट्स में नोएल परिवार का दबदबा: 36 में से 17 ट्रस्टी पद; चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल पर क्या फैसला?

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल पर अंतिम फैसला शेयरधारक ट्रस्टों को करना है। ट्रस्टों में नोएल टाटा और उनके परिवार का प्रभाव मजबूत है, लेकिन शापूरजी पालोनजी ग्रुप और टाटा की दूसरी कंपनियों की हिस्सेदारी भी अहम है। ऐसे में चंद्रशेखरन के सामने तीसरे कार्यकाल की राह कितनी आसान होगी? पढ़िए इस रिपोर्ट में। टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की संभावित वार्षिक आम बैठक से पहले शेयरधारक ट्रस्टों के भीतर वोटिंग का अंकगणित चर्चा में है। इस बैठक में टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को एक और कार्यकाल दिए जाने पर फैसला होना है।चंद्रशेखरन का कार्यकाल सामान्य रूप से 20 फरवरी, 2027 को समाप्त होगा। हालांकि, कंपनी बोर्ड ने 17 सितंबर की एक हंगामेदार बैठक में उन्हें तीसरा कार्यकाल देने का प्रस्ताव पारित कर दिया था, लेकिन अब इसका अंतिम फैसला शेयरधारक ट्रस्टों के हाथ में है। सूत्रों के अनुसार, टाटा ट्रस्ट्स के अधीन आने वाले 7 ट्रस्टों की संरचना बताती है कि नोएल टाटा और उनके परिवार का प्रभाव बेहद मजबूत हो चुका है। इन ट्रस्टों में कुल 36 ट्रस्टी पद हैं। इनमें से 17 पदों पर अकेले नोएल टाटा और उनके परिवार (बेटे नेविल, बेटियां लीया और माया) का कब्जा है।

सर रतन टाटा ट्रस्ट (एसआरटीटी) : टाटा संस में 23.56% हिस्सेदारी। यह ट्रस्ट फिलहाल महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर द्वारा कथित उल्लंघनों के कारण फ्रीज है।

जेआरडी टाटा ट्रस्ट : टाटा संस में 4.01% हिस्सेदारी। नोएल और नेविल 50% हिस्सेदारी रखते हैं।

टाटा एजुकेशन ट्रस्ट : टाटा संस में 3.73% हिस्सेदारी। नोएल, लीया और माया मिलकर कुल 60% ताकत रखते हैं।

टाटा सोशल वेलफेयर ट्रस्ट : टाटा संस में 3.73% हिस्सेदारी। नोएल, लीया और नेविल का 60% दबदबा है।

आरडी टाटा ट्रस्ट : नोएल, माया और नेविल की 50% हिस्सेदारी। अन्य ट्रस्टी विजय सिंह, श्रीनिवासन, तुषाद बी दुबाश हैं।

सार्वजनिक सेवा ट्रस्ट : टाटा संस में 0.1% हिस्सेदारी। नोएल, लीया और माया 60% के मालिक हैं। अन्य ट्रस्टी जिमी टाटा और जेएन मिस्त्री हैं।

शापूरजी पालोनजी ग्रुप और अन्य कंपनियों के 30% वोट भी अहम...

एजीएम में केवल ट्रस्टों के वोट ही नहीं, बल्कि 18% से अधिक हिस्सेदारी रखने वाले शापूरजी पालोनजी (एसपी) ग्रुप का रुख भी देखा जाएगा। नोएल टाटा का विवाह एसपी ग्रुप के परिवार में हुआ है। इसके अलावा टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, टाटा केमिकल्स और टाटा पावर के पास टाटा संस की करीब 12% हिस्सेदारी है।

शहरों में दफ्तर जाने का खर्च 1044 रुपये महीना: दोपहिया सबसे पसंदीदा वाहन, सरकारी सर्वे में हुए और क्या खुलासे?

सरकारी राष्ट्रीय घरेलू यात्रा सर्वेक्षण में देश में काम और पढ़ाई के लिए होने वाली यात्राओं से जुड़ी तस्वीर सामने आई है। तय कार्यस्थल तक पहुंचने वाले कर्मचारियों का औसत मासिक खर्च 785 रुपये दर्ज किया गया। शहरों में यह लागत गांवों की तुलना में अधिक रही। दोपहिया वाहन कर्मचारियों के बीच सबसे प्रमुख परिवहन साधन बने हुए हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने पहली बार राष्ट्रीय घरेलू यात्रा सर्वेक्षण के प्रमुख संकेतक और निष्कर्ष जारी किए हैं। यह सर्वेक्षण जुलाई 2025 से जून 2026 के बीच किया गया।शहरी और ग्रामीण छात्रों के शिक्षण संस्थान जाने के खर्च में भी बड़ा अंतरसर्वेक्षण में एक यात्रा के लिए एक किलोमीटर से अधिक दूरी तय करने को आधार माना गया है। आंकड़ों के अनुसार, तय कार्यस्थल तक आने-जाने में पुरुष कर्मचारी हर महीने औसतन 835 रुपये खर्च करते हैं। महिला कर्मचारियों का औसत खर्च 533 रुपये है। शिक्षा के लिए आने-जाने में भी शहरों और गांवों के बीच अंतर दिखाई देता है। शहरी छात्र शिक्षण संस्थानों तक आने-जाने में हर महीने औसतन 617 रुपये खर्च करते हैं, जबकि ग्रामीण छात्रों का औसत खर्च 361 रुपये है।

Gold Prices: सोने के वायदा भाव में एक फीसदी की गिरावट, डॉलर की मजबूती से बढ़ा दबाव, जानिए क्या कीमतों का हाल?

मुद्रेक्स के लीड क्वांट एनालिस्ट अक्षत सिद्धांत शुक्रवार को 4,200 डॉलर का स्तर पार करने के बाद भाव 4,150 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार करता दिखा। सोने की कीमतों को अमेरिका में मजबूत रोजगार के आंकड़ों का सहारा मिला। इसके कारण फेडरल रिजर्व की ओर से अक्तूबर में ब्याज दरों की कटौती की आशंका 20 प्रतिशत तक कम हो गई। हालांकि, निवेशक अब भी दिसंबर महीने में दरों में 70 प्रतिशत वृद्धि की आशंका जता रहे हैं।

छुट्टियों के कारण संक्षिप्त रहे पिछले कारोबारी हफ्ते में 10 ग्राम सोने की कीमतों में करीब 2,887 रुपये या करीब 2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को गांधी जयंती के मौके पर घरेलू कमोडिटी बाजार में कारोबार बंद था। इस हफ्ते वायदा कारोबार में सोने की चाल कैसी है, आइए जानते हैं विस्तार से। वायदा कारोबार में सोने की कीमतों में सोमवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। लगातार मजबूत हो रहे डॉलर ने गोल्ड फ्यूचर्स पर दबाव डाला इससे मल्टी कॉमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का वायदा भाव करीब 1 प्रतिशत गिरकर 1 लाख 49 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। एमसीएक्स पर दिसंबर का वायदा भाव 1,020 रुपये यानी एक प्रतिशत टूटकर 1,49,370 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। शुक्रवार को गांधी जयंती के मौके पर घरेलू कमोडिटी बाजार में कारोबार बंद था।

रुपये की निकासी, नकद मुद्रा का आंकड़ा 43 लाख करोड़

टाटा संस के अध्यक्ष चंद्रशेखरन ने भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था पर प्रकाश डाला। उन्होंने दीर्घकालिक वृद्धि के लिए ऊर्जा सुरक्षा, उन्नत विनिर्माण रोजगार और मानव पूंजी में निवेश को महत्वपूर्ण बताया। गुणवत्ता और घरेलू क्षमताओं के विकास पर जोर दिया। टाटा संस के अध्यक्ष चंद्रशेखरन ने कहा है कि अनिश्चित और कठिन वैश्विक माहौल में भी भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत है। उन्होंने सोमवार को इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (आईएफक्यूएम) संगोष्ठी 2026 में यह बात कही। चंद्रशेखरन ने दीर्घकालिक वृद्धि के लिए ऊर्जा सुरक्षा, उन्नत विनिर्माण रोजगार और मानव पूंजी में निवेश को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण को साकार करने पर जोर दिया। चंद्रशेखरन ने कहा कि देश कई संकेतकों पर स्थिर और मजबूत स्थिति में है। भारत की वृद्धि मजबूत घरेलू मांग, सेवा निर्यात और अनुकूल नीतिगत माहौल से समर्थित है। उन्होंने ऑटो बिक्री, ऋण वृद्धि, बिजली और सीमेंट जैसे उच्च-आवृत्ति संकेतकों में दोहरे अंकों की मांग का उल्लेख किया। चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद के एक फीसदी से कम है। मजबूत सेवा निर्यात, विदेशी मुद्रा भंडार और बैंकों के कम एनपीए भी अर्थव्यवस्था की मजबूती दर्शाते हैं। उन्होंने गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने और वर्तमान असेंबली-आधारित वृद्धि से हटकर पूर्ण उत्पाद क्षमताओं की ओर बढ़ने पर जोर दिया। चंद्रशेखरन ने कहा कि 'विकसित भारत 2047' के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, संस्थान और बौद्धिक संपदा आवश्यक हैं। चंद्रशेखरन ने कहा कि दीर्घकालिक वृद्धि बनाए रखने के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना मौलिक है। उन्होंने उन्नत और सटीक विनिर्माण रोजगारों पर भी बल दिया। कम उत्पादकता वाले कृषि कार्यबल से उच्च उत्पादकता वाले विनिर्माण और आधुनिक सेवाओं की ओर बदलाव जरूरी है। इसके लिए सही क्षेत्रों में निवेश की जरूरत है। मानव संसाधनों में निवेश, जैसे शिक्षा और कौशल विकास, भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

गुणवत्ता कैसे नवाचार का चालक बन सकती है?

उन्होंने गुणवत्ता को केवल एक परिणाम के रूप में न देखने की सलाह दी। टोयोटा का उदाहरण देते हुए, उन्होंने बताया कि गुणवत्ता नवाचार और प्रतिस्पर्धात्मकता का प्रमुख चालक बनी। जर्मनी जैसे राष्ट्रों ने गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करके अपनी राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बदली। भारत को भी उत्पादों की इंजीनियरिंग, मानक निर्धारण और आपूर्तिकर्ता पारिस्थितिकी तंत्र में ऐसे बदलाव की आवश्यकता है। भारतीय विनिर्माताओं को गुणवत्ता के साथ सतत विनिर्माण प्रक्रियाओं को एकीकृत करना चाहिए। चंद्रशेखरन ने असेंबली-आधारित वृद्धि से अंत-से-अंत तक घरेलू क्षमता की ओर बढ़ने का सवाल उठाया। असेंबली-आधारित वृद्धि मजबूत एसएमई खंड बनाने में महत्वपूर्ण है।

केबीसी 18: सारा अली खान और बिग बी के बीच हुई शेरों शायरी

क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में सारा अली खान और आयुष्मान खुराना पहुंचे। इस दौरान दोनों सितारों ने बिग बी से कई दिलचस्प बातचीत भी साझा कीं।आयुष्मान खुराना और सारा अली खान जल्द ही फिल्म 'उड़ता तीर' में नजर आएंगे। दोनों सितारे इस स्पाई कॉमेडी फिल्म का प्रमोशन करने अमिताभ बच्चन के क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति 18' में पहुंचे। इस दौरान अमिताभ बच्चन ने आयुष्मान की खूब तारीफ की। वहीं, सारा अली खान और बिग बी के बीच शेरों शायरी की जुगलबंदी देखने को मिली। आयुष्मान की गायिकी ने बिग बी को किया मंत्रमुग्धआयुष्मान खुराना अभिनय के अलावा गायकी का हुनर भी रखते हैं। 'केबीसी 18' में जाकर भी आयुष्मान खुराना ने गाना भी गाया। न्होंने अमिताभ बच्चन की 'कभी कभी' फिल्म का आइकॉनिक गाना 'कभी कभी मेरे दिल

अमिताभ बच्चन ने आयुष्मान की तारीफ में क्या कहा?बिग बी ने फिल्म 'गुलाबो सिताबो' में आयुष्मान खुराना के साथ काम करने का किस्सा शेयर किया। आयुष्मान की तारीफ में अमिताभ बच्चन ने कहा, 'हमने इनके साथ एक फिल्म की थी 'गुलाबो सिताबो'। बहुत ही तैयारी करके ये आते थे। हमको लाइन याद करने में तकलीफ होती थी। एक तो हमें बूढ़ा बना दिया। डायरेक्टर ने कहा कि पूरी पिक्चर में आपको झुककर चलना है तो वैसे ही हम अपनी लाइन भूल रहे थे। मगर, इनमें इतना धैर्य था कि 'चलो यार बुढ़ऊ है, थोड़ा समय दे देते हैं। इनकी तरफ से कहीं भी गलती नहीं देखिएगा, इतना सुंदर अभिनय था इनका'। बिग बी से अपने लिए तारीफ के ये शब्द सुनकर आयुष्मान खुराना मुस्कुराने लगे और शुक्रिया की मुद्रा में हाथ जोड़ने लगे।शो में सजी शेर-शायरी की महफिल इसके बाद आयुष्मान खुराना ने अमिताभ बच्चन और सारा अली खान के बीच शेरों-शायरी की महफिल सजवाई। दरअसल, एक्टर ने अमिताभ बच्चन से कहा, 'आपकी लेगेसी है, जहां से आप आए हैं। आप हरिवांश राय बच्चन जी के सुपुत्र हैं। महान कवि थे वे। आप खुद भी कविता और शायरी में रुचि रखते हैं। उम्दा कलाकार हैं'। आयुष्मान ने फिर सारा की तरफ इशारा करते हुए कहा कि इनकी भी कविता-शायरी में काफी दिलचस्पी है। हम चाहते हैं कि वे आपके लिए कुछ शेर-शायरी करें और कुछ जुगलबंदी जैसा सीन क्रिएट हो। इसके बाद दोनों के बीच शायरी देखने को मिली।अमिताभ बच्चन ने पहली लाइन बोली, 'आपके आने से मेरे चेहरे पर आती है रौनक'।अगली लाइन सारा बढ़ाते हुए कहती हैं,और आपके सवाल सुनकर दिल में होती है धक धक, धक धक'।फिर बिग बी ने कहा, 'टूटते हैं तारे बिखरते हैं फूल'सारा ने लाइन इस तरह बढ़ाई, 'मगर, एवरग्रीन मिस्टर बच्चन इज द मोस्ट मोस्ट कूल' सारा का अंदाज देखकर बिग बी हैरान रह गए और बोले, 'मैं हार गया हूं'।आयुष्मान का गाना सुनकर बिग बी मंत्रमुग्ध हो गए। उन्होंने कहा, 'बहुत बहुत धन्यवाद आयुष्मान'।

इंटरव्यू: क्यों खुद को हर वक्त गूगल करती हैं

तमन्ना भाटिया को पर्दे पर आपने हमेशा सजे-संवरे अंदाज में देखा होगा लेकिन कैमरा बंद होने के बाद तमन्ना खुद को 'लेजी, काउच पोटैटो' (आलसी जो सोफे पर पड़ा रहे) कहती हैं। दस दिन लगातार तैयार रहने के बाद 11वें दिन उन्हें बिना मेकअप बाल बांधकर घर में पड़े रहना पसंद है। खाना खाना, दोस्तों को घर बुलाना और घंटों बातें करना उन्हें अच्छा लगता है।15 साल की उम्र में काम शुरू करने वाली तमन्ना ने अपने सफर में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। 2005 की अपनी तस्वीरों से लेकर आज तक की यात्रा को वह अपनी फिल्मों में दर्ज होते हुए देखती हैं। इस दौरान उन्हें एक बात का अफसोस भी है कि उन्होंने खुद के लिए पर्याप्त वक्त नहीं निकाला।

बचपन में बहुत कॉन्फिडेंट थी, फिर दोबारा कॉन्फिडेंट बनी'2005 में फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से अभिनय की शुरुआत करने वाली तमन्ना उस दौर को याद करते हुए कहती हैं, 'मैं बचपन में बहुत कॉन्फिडेंट बच्ची थी। आधा टाइम तो मुझे खुद पता नहीं होता था कि करना क्या है, लेकिन मुझे पता था कि मैं कर लूंगी। मेरे अंदर एक अजीब सा विश्वास था कि मैं ये कर सकती हूं। शायद उसी विश्वास ने मुझे एक्टर बनने में भी मदद की।'वह आगे कहती हैं, 'लेकिन 20 साल की उम्र में आप खुद को समझने की कोशिश कर रहे होते हो। आप ये समझने की कोशिश कर रहे होते हो कि आप कौन हो। इसी दौरान आपकी बॉडी बदलाव से गुजर रही होती है, आप अलग दिखने लगते हो और आप लगातार कैमरे के सामने भी होते हो। आप अपनी पर्सनल इनसिक्योरिटीज से भी जूझ रहे होते हो। आपके कुछ अच्छे दिन होते हैं, कुछ बुरे दिन होते हैं। आप उन सब चीजों से डील करना सीख रहे होते हो।'तमन्ना अपनी फिल्म जर्नी को दो-दो साल के हिस्सों में देखती हैं। वह कहती हैं, 'बचपन में बहुत कॉन्फिडेंस था, फिर एक दौर आया जब मैं काफी कन्फ्यूज्ड थी और फिर वापस बहुत, बहुत कॉन्फिडेंट हुई। मेरी ये पूरी जर्नी फिल्मों के जरिए देखने और डॉक्यूमेंट होते हुए देखना बहुत दिलचस्प है।'काश दोस्तों की पार्टियों में गई होती'अपने लंबे करियर को पीछे मुड़कर देखने पर तमन्ना को सबसे ज्यादा अफसोस खुद के लिए समय न निकालने का है। वह कहती हैं, 'मैं चाहूंगी कि मैंने थोड़ा और वक्त लिया होता। चीजों को एंजॉय करने के लिए। मेरी मम्मी मुझसे इस बात को लेकर बहुत नाराज रहती हैं, क्योंकि मैं ब्रेक नहीं लेती। काश मैंने थोड़ी ज्यादा छुट्टियां ली होतीं। थोड़ा और दोस्तों की पार्टियों में गई होती, दोस्तों के बर्थडे सेलिब्रेट किए होते या फैमिली के साथ ज्यादा वक्त बिताया होता। सिर्फ इसी बात का थोड़ा दुख होता है।
अब मौका मिले तो वह डांस और म्यूजिक सीखना चाहती हैं। तमन्ना कहती हैं, 'मैं बहुत टाइम से म्यूजिक और डांस सीखना चाहती हूं, लेकिन मुझे कभी उसका मौका नहीं मिला। मैं डांस सीखना चाहती हूं, म्यूजिक की ट्रेनिंग लेना चाहती हूं। मुझे लगता है कि ये एक तरह से मेडिटेशन जैसा भी है। ये रिलैक्सिंग भी है और फन भी है।'लोग क्या सोचते हैं? इसकी परवाह नहीं करनी चाहिए तमन्ना मानती हैं कि करियर के शुरुआती दौर में को लेकर मुझे लगता है

विवादित बयान: कब-कब अपने शब्दों से घिरे संजय दत्त,

आमिर समेत इन बॉलीवुड सितारों के बयानों पर भी मचा खूब बवाल

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त इन दिनों अपने एक बयान को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने कोई विवादित बयान दिया हो। आइए जान ते हैं इससे पहले एक्टर के कब-कब और क्या कहा था।संजय दत्त उन अभिनेताओं में हैं, जिनकी छवि सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं रही। उनका जीवन राजनीति, 1993 के मुंबई बम धमाकों से जुड़े कानूनी विवा द, जेल और फिर फिल्मों में वापसी जैसे कई बड़े अध्यायों से होकर गुजरा है। इसलिए जब वह देश, राजनीति या सामाजिक माहौल पर कोई टिप्पणी करते हैं, तो उस बयान का असर सामान्य फिल्मी बयान से कहीं ज्यादा होता है। हाल ही में कुछ ऐसा ही देखने को मिला। दरअसल, अभिनेता कुछ दिन पहले शेखर सुमन के शो में गांधी जयंती विशेष कार्यक्रम में शामिल हुए। वहां उन्होंने भारत में शांति को लेकर टिप्पणी की । उन्होंने कहा कि देश के लोग बेहद अच्छे और बड़े दिल वाले हैं, लेकिन उन्हें अब देश में पहले जैसी शांति महसूस नहीं होती।बयान सामने आते ही मचा बवाल बयान सामने आते ही सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई। आलोचकों ने सवाल उठाते हुए संजय दत्त को घेर दिया। इसके बाद एक्टर ने एक पोस्ट कर सफाई दी , जिसमें उन्होंने कहा कि उनका बया न एक स्क्रिप्टेड, हल्की-फुल्की और हास्यपूर्ण बातचीत के संदर्भ में था। उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति, समुदाय या संस्था की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब अभिनेता अपने किसी बयान को लेकर ऐसे घिरे हों।हाल ही में सितंबर 2026 में हुए एक कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र के परिव हन मंत्री प्रताप सरनाईक ने संजय दत्त से मराठी में बोलने को कहा। इस पर दत्त ने मजाकिया अंदाज में अपनी येरवडा जेल की सजा का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने जेल में भी मराठी नहीं सीखी। वीडियो सामने आने के बाद यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई। मामला बढ़ने पर मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा गया कि दत्त ने फोन करके उनको स्पष्टीकरण दिया। अभिनेता ने कहा कि अगर उनके मजाक से कोई गलत संदेश गया हो तो वह माफी मांगते हैं।साल 2017 में फिल्म 'भूमि' के प्रमोशन के दौरान संजय दत्त से उनकी बेटी त्रिशाला के बारे में पूछा गया। दत्त ने बताया कि उन्होंने त्रिशाला की पढ़ाई पर काफी ध्या न दिया है और वह फॉरेंसिक साइंस में विशेषज्ञता हा सिल कर चुकी हैं । उन्होंने कहा था कि अभिनय आसान न हीं है और अगर वह फिल्म इंडस्ट्री में आना चाहती हैं तो उन्हें हिंदी भी सीखनी होगी।

बिग बॉस 20: क्या लव गिल पर हुआ स्काउट को क्रश?

यंग डीएसए के सामने बताया दिल का हाल, बिग बॉस ने दी नसीहत

रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में खूब ड्रामा और झगड़े देखने को मिलते हैं। हाल ही में कनिका और अरिश्फा की लड़ाई देखने को मिली। इसके अलावा माही विज और उदिति के बीच भी तकरार बढ़ गई।शो 'बिग बॉस 20' जंग का मैदान बन गया है। कुछ प्रतिभागियों के बीच काम-काज को लेकर बहस और झगड़ा देखने को मिल रहा है, तो कुछ साफ-सफाई में सहयोग नहीं कर रहे। इसके अलावा कुछ कंटेस्टेंट में गजब की केमिस्ट्री और दोस्ती देखी जा रही है और बहस के बीच वे एक तरफ हो जाते हैं। शो में लव गिल के लिए फीलिंग्स को लेकर स्काउट काफी कंफ्यूज नजर आए।अरिश्फा-कनिका की लड़ाई में कूदे गुल्लू रियलिटी शो में अरिश्फा खान और कनिका मान के बीच बहस होती देखी गई। सामने आए प्रोमो में अरिश्फा को देखा गया कि वह कप न उठाने को लेकर कनिका को टोक रही हैं। कनिका नाराज हो जाती हैं और कहती हैं कि बाद में रख दूंगी। अरिश्फा और कनिका की गर्मागर्म बातचीत में गुल्लू बीच में बोल पड़ते हैं, जिस पर अरिश्फा भड़क गईं। कनिका से बहस छोड़ वह गुल्लू से बहस करने लगती हैं और कहती हैं कि उनकी और कनिका की लड़ाई में वे (गुल्लू) बीच में क्यों आए?घर के कैप्टन की बात नहीं मान रहीं माही विज? इस वीक घर में कैप्टन के तौर पर उदिति सिंह ने कमान संभाल रखी है। वह माही विज और यंग डीएसए को हराकर कैप्टन बनीं। उदिति के कार्यकाल में माही विज घर का काम करने में सपोर्ट नहीं कर रही हैं। सामने आए एक प्रोमो में उदिति माही से पूछती हैं, 'मैम आप डिनर के लिए चॉपिंग कर देंगी'? इस पर माही साफ मना कर देती हैं और कहती हैं, 'मुझे चॉपिंग नहीं आती'। उदिति पूछती हैं, 'आपको कुछ काम नहीं करना'। इस पर माही कहती हैं, 'पिन क्यों मार रही है फालतू में'। माही नाराज हो जाती हैं। इस पर उदिति कहती हैं, इतना गुस्सा होने वाली बात नहीं थी। इस पर माही कहती हैं, 'चल चल चल'।आम्रपाली ने संभाली बातउदिति कहती हैं, 'आपको इतना गिरकर बात करनी है माही मैम तो यह शर्मनाक है'। इसके बाद उदिति गुल्लू से चॉपिंग के लिए कहती हैं, लेकिन गुल्लू भी साफ मना कर देते हैं और कहते हैं कि किसी और के हिस्से का काम वह क्यों करें? उदिति कहती हैं कि फिर घर में डिनर नहीं बनेगा। गुल्लू कहते हैं, 'मत बनाओ। मत खाओ'। झगड़ा देख आम्रपाली दुबे बात संभालने आती हैं और कहती हैं, 'धीरे धीरे लोग बाहर जाएंगे तो काम बढ़ेगा ही'।

बॉक्स ऑफिस: 200 करोड़ की दहलीज पर 'दृश्यम 3', लाखों में सिमटी 'द वन' और 'हनुमान अंश'; जानें सोमवार का कलेक्शन

2 अक्तूबर को रिलीज हुई 'दृश्यम 3' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया है। इस फिल्म के अलावा 'द वन' और 'हनुमान अंश' जैसी फिल्में भी थिएटर्स में जमी हुई हैं। जानिए इन फिल्मों का कलेक्शन। इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर कई बड़ी फिल्में अपना दबदबा जमाने की कोशिश कर रही हैं। जहां एक तरफ हालिया रिलीज 'दृश्यम 3' और 'द वन' दर्शकों को लुभा रही हैं। वहीं दूसरी तरफ 'हनुमान अंश' रिलीज के करीब दो महीने बाद भी अच्छी कमाई कर रही है। जानिए वीकएंड के बाद आज सोमवार को इन फिल्मों ने कितनी कमाई की है।'हनुमान अंश' की गिरी कमाई फिल्म 'हनुमान अंश' 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। आज इसे रिलीज हुए करीब 2 महीने हो चुके हैं। फिल्म ने बीच में जमकर कमाई की। लेकिन अब 60 दिन बाद इसकी कमाई भी लाखों में पहुंच गई है। रविवार को इसने 3 करोड़ की कमाई की थी। अब वीकएंड के बाद आज सोमवार को इसने महज 65 लाख की कमाई की है। इसके साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 325.38 करोड़ हो गया है। 'दृश्यम 3' का दबदबा बरकरारअजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की है। फिल्म ने वीकएंड का भी जमकर फायदा उठाया। पहले दिन इस फिल्म ने 62 करोड़, दूसरे दिन 53.50, तो वहीं तीसरे दिन 61 करोड़ रुपये की कमाई की। हालांकि इसकी कमाई में भी वीकएंड के बाद गिरावट दर्ज हुई है। तीन दिन 50 करोड़ के ऊपर कमाई करने वाली इस फिल्म ने आज चौथे दिन 14.55 करोड़ कमाए हैं। इसके साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 191.05 करोड़ हो गया है। फिल्म जल्द ही 200 करोड़ का आंकड़ा छू सकती है।देर रात तक इन फिल्मों की कमाई के आंकड़ों में और बढ़ोतरी हो सकती है।

मीका सिंह: पाकिस्तान के लिए क्या महसूस करते हैं

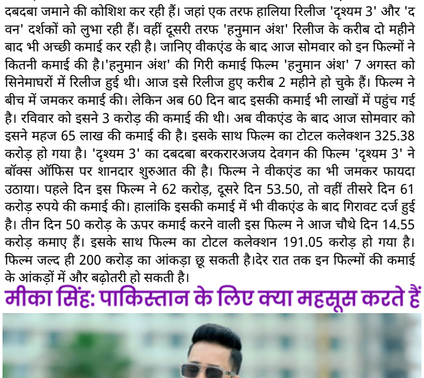

मीका सिंह ने एक हालिया इंटरव्यू में पकिस्तान और वहां के सिंगर्स के बारे में काफी कुछ कहा। उन्होंने इस दौरान पाकिस्तान जाने के मुख्य कारण पर भी बात की। जानें क्या बोले मीका...गायक मीका सिंह ने एक पॉडकास्ट के दौरान अपने पाकिस्तान दौरे की यादों को ताजा किया। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी और दुबई के लोगों के बारे में उनकी धारणओं पर कई टिप्पणियां की गईं। मीका ने पाकिस्तान के गुरुद्वारों का हाल बयां करते हुए वहां परफॉर्म करने की बड़ी वजह भी साझा की।सिंगर मीका सिंह हाल ही में बातें दिल से विद नाविका कुमार पॉडकास्ट पर गेस्ट बनकर पहुंचे थे। उस दौरान उन्होंने मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा गुरुद्वारों की देखभाल करने बारे में कहा, 'जब मैं पाकिस्तान गया, तो मैंने देखा कि हमारे कई मुस्लिम भाई गुरुद्वारों में सेवा कर रहे थे और सफाई में मदद कर रहे थे। पाकिस्तान के लोग कहीं से बुरे नहीं हैं। ये बस पता नहीं क्यों हमें पाकिस्तान के मुसलमान खराब लगते हैं। लेकिन दुबई के मुसलमान बहुत अच्छे लगते हैं। ये मुझे आज तक समझ नहीं आया।'पाकिस्तानी सिंगरर्स के भारत में आकर परफॉर्म करने पर भी मीका सिंह ने अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, 'मुझे पाकिस्तानी गायकों से कोई समस्या नहीं है।

Aaj ka Rashifal 06 October

आज का राशिफल: वृषभ, तुला और वृश्चिक को संभलकर लेना होगा फैसला, जानें 12 राशियों का हाल

आज का राशिफल 6 अक्टूबर 2026: मंगलवार का दिन मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ और मकर राशि वालों के लिए करियर, धन, प्रेम और पारिवारिक मामलों में कुछ खास संकेत लेकर आया है। जानें आज का दिन आपके लिए कैसा रहेगा और किन मामलों में सावधानी बरतनी होगी।

Today Rashifal: आज 6 अक्टूबर 2026, मंगलवार का दिन कई राशियों के लिए नए अवसर, बदलाव और महत्वपूर्ण फैसलों का संकेत दे रहा है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर करियर, कारोबार, आर्थिक स्थिति, प्रेम संबंधों और पारिवारिक जीवन पर देखने को मिल सकता है। कुछ राशि वालों को लंबे समय से अटके काम पूरे होने की उम्मीद रहेगी, जबकि कुछ लोगों को आज जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचना होगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां सामने आ सकती हैं

मेष

आज का दिन आपको काफी व्यस्त रखने वाला है। एक साथ कई काम सामने आ सकते हैं, लेकिन हर जिम्मेदारी अपने सिर लेने के बजाय यह तय करें कि पहले क्या करना जरूरी है। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मन को प्रसन्न कर सकती है। लंबे समय से मन में बसी कोई इच्छा पूरी होने से भीतर से संतोष महसूस होगा। पुराने अधूरे कामों को निपटाने का उत्साह रहेगा और घर में किसी शुभ कार्य या आयोजन की तैयारी माहौल में खुशी घोल सकती है।

वृषभ

आज सुस्ती छोड़कर पूरे उत्साह के साथ काम करने की जरूरत है। जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं और कोई नई जिम्मेदारी शुरुआत में थोड़ी चुनौतीपूर्ण लग सकती है, लेकिन सहयोगियों का साथ आपको संभाल लेगा। बातचीत के दौरान शब्दों का चयन सोच-समझकर करें, क्योंकि छोटी बात भी अनावश्यक बहस का रूप ले सकती है। परिवार में किसी मुद्दे पर मतभेद हो सकते हैं, जिन्हें धैर्य से आसानी से संभाला जा सकेगा। घर में कुछ बदलाव या सजावट का विचार मन में आ सकता है। किसी मित्र को आर्थिक सहायता की जरूरत भी पड़ सकती है।

मिथुन

आज नई शुरुआत के लिए दिन उत्साह बढ़ाने वाला है। यदि किसी नए काम या योजना को लेकर काफी समय से सोच रहे हैं, तो अब उस दिशा में कदम बढ़ाना अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के साथ चली आ रही कोई गलतफहमी बातचीत के जरिए दूर हो सकती है और रिश्ते में फिर से गर्माहट महसूस होगी। दूर रहने वाले किसी खास व्यक्ति की याद मन को थोड़ा भावुक कर सकती है। वाहन से जुड़ा छोटा-मोटा खर्च अचानक सामने आ सकता है। कार्यस्थल पर किसी की बात बुरी लग सकती है, लेकिन उसे दिल पर लेने के बजाय अपने लक्ष्य पर ध्यान देना बेहतर रहेगा।

कर्क

आज आपका मन दूसरों के लिए कुछ करने और जरूरतमंदों की सहायता करने में लगेगा। किसी की मदद करके जो संतोष मिलेगा, वह दिन को खास बना सकता है। संतान के साथ समय बिताने या कहीं घूमने जाने का अवसर मिल सकता है। पुराने लेन-देन का कोई उलझा हुआ मामला सुलझने से राहत मिलेगी। काम के दौरान जल्दबाजी से बचें और संतुलन बनाए रखें। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें। यात्रा के दौरान मिली कोई महत्वपूर्ण जानकारी भविष्य में आपके लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

सिंह

आज मेहनत के अच्छे परिणाम मिल सकते हैं, हालांकि कार्यक्षेत्र में किसी के साथ थोड़ी नोकझोंक होने की संभावना है। ऐसे समय में आपका शांत रहना ही सबसे बड़ी समझदारी होगी। संतान से किया हुआ कोई वादा पूरा करना पड़ सकता है। पिता की ओर से कोई नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है। घर में पूजा-पाठ या धार्मिक आयोजन होने से वातावरण में सकारात्मकता बढ़ेगी। हर व्यक्ति पर आंख बंद करके भरोसा करने से बचें। धन से जुड़ा कोई मामला थोड़ी चिंता दे सकता है, लेकिन समझदारी से उसे संभाल लिया जाएगा।

कन्या

आज कोई अच्छी खबर आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है। व्यवसाय में किए गए बदलाव अब अपना असर दिखाने लगेंगे और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। बॉस या वरिष्ठ अधिकारी के साथ जो दूरी महसूस हो रही थी, वह कम हो सकती है। घर को सजाने-संवारने या कोई नई वस्तु खरीदने का मन बनेगा। कहीं अटका हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना भी है। बस इतना ध्यान रखें कि भावनाओं में बहकर कोई कठोर फैसला न लें, क्योंकि आपकी बात किसी करीबी के मन को ठेस पहुंचा सकती है।

तुला

आज जल्दबाजी के बजाय सोच-विचार करके कदम उठाना आपके लिए बेहतर रहेगा। अतीत की किसी गलती से मिली सीख इस समय आपके बहुत काम आ सकती है। बिना मांगे किसी को सलाह देने से बचें और अपने आसपास के लोगों की बातों तथा व्यवहार को ध्यान से समझें। यात्रा पर जा रहे हैं तो अपने जरूरी और कीमती सामान की अच्छी तरह देखभाल करें। आर्थिक परेशानी से जुड़ा कोई मामला भाई या किसी करीबी की मदद से सुलझ सकता है, जिससे मन काफी हल्का महसूस करेगा।

वृश्चिक

आज आपको आगे बढ़ने और अपनी स्थिति मजबूत करने के कई अवसर मिल सकते हैं। परिवार के बड़े सदस्यों की भावनाओं का सम्मान करेंगे तो रिश्तों में अपनापन और बढ़ेगा। घर में संपत्ति या बंटवारे से जुड़ी कोई चर्चा सामने आ सकती है, इसलिए भावनाओं के बजाय समझदारी से बात रखें। मन में चल रही कोई चिंता थोड़ी बेचैनी पैदा कर सकती है। संतान की पढ़ाई या भविष्य को लेकर लिया गया कोई महत्वपूर्ण फैसला आगे चलकर उसके लिए लाभदायक साबित हो सकता है।

धनु

आज जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण फैसलों में समझदारी दिखाने का दिन है। बच्चों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा और घर का वातावरण भी खुशनुमा बना रहेगा। काम को लेकर जो चिंता कुछ समय से परेशान कर रही थी, उसमें अब धीरे-धीरे कमी आती दिखाई देगी। घर में मेहमानों का आना-जाना रौनक बढ़ा सकता है। खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखना जरूरी होगा। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने की संभावना है। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को भी किसी अच्छी खबर की उम्मीद रखनी चाहिए।

मकर

आज का दिन आपके लिए सुखद अनुभव लेकर आ सकता है। परिवार में किसी नए सदस्य या मेहमान के आने से घर का माहौल खुशियों से भर सकता है। निवेश या शेयर बाजार से लाभ मिलने के संकेत हैं, लेकिन केवल दूसरों की सलाह पर भरोसा करके पैसा लगाने से बचें। आपके काम की प्रशंसा आपको नई पहचान दिला सकती है। साझेदारी में किए गए काम उम्मीद से बेहतर परिणाम दे सकते हैं। दोस्तों के साथ कुछ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे मन की थकान भी दूर होगी।

कुंभ

आज आप ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरे नजर आएंगे। किसी सामाजिक या राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है, जहां आपकी पहचान और सम्मान दोनों बढ़ सकते हैं। माताजी से किया हुआ कोई वादा पूरा करने की कोशिश करेंगे। संतान अपने करियर या नौकरी से जुड़े किसी महत्वपूर्ण फैसले में आपकी सलाह लेना चाहेगी। व्यवसाय में थोड़े उतार-चढ़ाव जरूर आएंगे, लेकिन आपकी सूझबूझ के सामने परिस्थितियां ज्यादा देर टिक नहीं पाएंगी।

मीन

आज का दिन मन को सुकून देने वाला रहेगा। परिवार के साथ बैठकर पुराने मतभेदों को खत्म करने और रिश्तों में फिर से मिठास लाने का मौका मिलेगा। किसी के प्रति मन में ईर्ष्या या नकारात्मक भावना रखने के बजाय अपनी ऊर्जा को आगे बढ़ने में लगाएं। घूमने-फिरने, मनोरंजन या अपने किसी पसंदीदा शौक के लिए समय मिल सकता है। सरकारी योजना से लाभ मिलने की संभावना है। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के नए अवसर सामने आ सकते हैं। संतान की सेहत को लेकर थोड़ी अतिरिक्त सावधानी रखना उचित रहेगा।

Aaj Ka Love Rashifal

आज का लव राशिफल: वृषभ, कन्या और मकर राशि वालों के रिश्ते होंगे मजबूत, पार्टनर के साथ बिताएंगे यादगार पल

लव राशिफल 6 अक्टूबर 2026: प्यार और रिश्तों के लिहाज से आज का दिन कुछ राशियों के लिए खास रह सकता है। किसी के रिश्ते में नजदीकियां बढ़ेंगी, तो कुछ लोगों को गलतफहमी दूर करने का मौका मिलेगा। जानें मेष से मीन तक सभी राशियों के लिए आज का प्रेम राशिफल।

लव राशिफल 6 अक्टूबर 2026: प्यार और रिश्तों के मामले में आज का दिन भावनाओं के साथ-साथ समझदारी से आगे बढ़ने का है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर प्रेम जीवन पर अलग-अलग तरह से देखने को मिल सकता है। किसी राशि के जातकों को पार्टनर का पूरा सहयोग मिल सकता है, तो कुछ लोगों के बीच छोटी-सी बात को लेकर मनमुटाव या गलतफहमी पैदा होने की संभावना है। जो लोग लंबे समय से किसी को पसंद करते हैं, उनके लिए भी आज अपनी भावनाएं जाहिर करने का मौका बन सकता है। वहीं शादीशुदा लोगों को रिश्ते में मधुरता बनाए रखने के लिए एक-दूसरे की भावनाओं को समझने की जरूरत होगी। सिंगल लोगों के लिए भी दिन नए कनेक्शन और बातचीत की शुरुआत का संकेत दे रहा है। आइए जानते हैं मेष से मीन तक सभी 12 राशियों के लिए 6 अक्टूबर का लव राशिफल और आपके प्रेम जीवन के लिए क्या संकेत मिल रहे हैं।

मंगल के नक्षत्र में राहु की एंट्री: इन 3 राशि वालों की खुलेगी किस्मत, नौकरी-परीक्षा में होंगे सफलता

Rahu Nakshatra Gochar 2026: राहु मंगल के नक्षत्र में प्रवेश कर चुके हैं। दोनों ग्रहों की ऊर्जा का यह अनोखा संयोग कुछ राशि वालों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो सकता है। इस दौरान जातकों के साहस और पराक्रम में वृद्धि हो सकती है।

Rahu Nakshatra Gochar 2026: ज्योतिष में राशि परिवर्तन के साथ-साथ ग्रहों का नक्षत्र परिवर्तन भी खास माना जाता है। इसका सीधा प्रभाव जातकों के जीवन पर देखने को मिल सकता है। खासतौर पर राहु और केतु जैसे छाया ग्रहों की चाल का जातकों के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। ज्योतिषियों की मानें तो हाल ही में राहु ने अपना नक्षत्र चरण परिवर्तन किया है। 3 अक्तूबर 2026 को राहु धनिष्ठा नक्षत्र के तीसरे चरण में प्रवेश कर चुके हैं, जिससे एक अनोखा संयोग बना है। बता दें कि, राहु का यह नक्षत्र परिवर्तन बेहद प्रभावशाली माना जा रहा है, क्योंकि धनिष्ठा नक्षत्र के स्वामी मंगल हैं। ऐसे में राहु और मंगल की ऊर्जा का यह संयोग कुछ राशि वालों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो सकता है। इस दौरान जातकों के साहस और पराक्रम में वृद्धि हो सकती है। साथ ही, जीवन में कई बड़े और सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। आइए इन लकी राशियों को जानते हैं।

आज का अंक ज्योतिष: मूलांक 3, 5 और 8 के जातकों के लिए बन रहे तरक्की के योग, धन लाभ के भी संकेत

अंक ज्योतिष 6 अक्टूबर 2026: अंक ज्योतिष के अनुसार आज का दिन मूलांक 1 से 9 तक के जातकों के लिए अलग-अलग परिणाम लेकर आ सकता है। किसी को करियर और धन के मामले में लाभ मिल सकता है, तो किसी को महत्वपूर्ण फैसलों में सावधानी बरतनी होगी। जानें आज आपका मूलांक क्या संकेत दे रहा है।

अंक ज्योतिष 6 अक्तूबर 2026: हर दिन की तरह आज का दिन भी मूलांक के अनुसार अलग-अलग संभावनाएं लेकर आया है। अंक ज्योतिष में जन्मतिथि के आधार पर निकाला गया मूलांक व्यक्ति के जीवन से जुड़े कई पहलुओं के बारे में संकेत देता है। आज कुछ मूलांक वाले जातकों को कामकाज में आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है, जबकि कुछ लोगों को आर्थिक मामलों में सोच-समझकर कदम उठाने की जरूरत होगी। प्रेम, परिवार और व्यक्तिगत जीवन में भी दिन के परिणाम अलग-अलग रह सकते हैं। अगर आप भी जानना चाहते हैं कि 6 अक्तूबर का दिन आपके लिए कैसा रहेगा, तो अपनी जन्मतिथि से मूलांक निकालें और जानें मूलांक 1 से 9 तक का आज का अंक भविष्यफल।

गुरु कर्क गोचर: 31 अक्तूबर तक इन 3 राशि वालों पर मेहरबान रहेगी किस्मत, हर सपना होगा पूरा

Guru Singh Gochar 2026: 31 अक्तूबर को गुरु सिंह राशि में गोचर करेंगे। हालांकि, उससे पहले का समय भी कुछ राशि वालों के लिए लाभकारी हो सकता है। जातकों को व्यापार में सफलता और रिश्तों में अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

Guru Gochar 2026: देवगुरु बृहस्पति अभी अपनी उच्च राशि कर्क में विराजमान हैं। 31 अक्तूबर 2026 को वह कर्क राशि से अपनी यात्रा समाप्त कर सूर्य की राशि सिंह में प्रवेश करेंगे। हालांकि, गुरु अभी अपनी उच्च राशि में स्थित हैं, इसलिए उनके अगले गोचर तक का समय कुछ राशि वालों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान जातकों को सफलता, ज्ञान, ज्ञान, मान-सम्मान और अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। साथ ही, जीवन में आगे बढ़ने के नए अवसर और संतान से जुड़ी अच्छी खबर भी मिल सकती हैं। ऐसे में आइए इन लकी राशियों को जानते हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सामने खिताब बचाने की चुनौती

भारतीय महिला हॉकी टीम ने स्वर्ण जीतकर एशियन गेम्स में अपने अभियान का अंत शानदार तरीके से किया। अब पुरुष हॉकी टीम के पास लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीतने का मौका है। पुरुष हॉकी टीम का फाइनल में सामना मलयेशिया से है। भारत को हॉकी में एक और स्वर्ण की उम्मीद होगी।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम को मलयेशिया के खिलाफ एशियन गेम्स के फाइनल में शनिवार को अपना खिताब बरकरार रखने और लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का टिकट कटाने के लिए गलतियों से सबक लेकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम ने कभी लगातार दो एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक नहीं जीता है और उसके पास शनिवार को यह कामयाबी हासिल करके भारतीय हॉकी का सुनहरा अध्याय लिखने का मौका है।

पिछली गलतियों से बचना होगा
सेमीफाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ लचर प्रदर्शन के बाद अब मलयेशिया के खिलाफ उन गलतियों को दोहराने से बचना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ 23वें मिनट तक तीन गोल की बढ़त बनाने के बाद भारत ने दूसरे हाफ में तीन गोल गंवा दिए और आखिरी सीटी बजने से 49 सेकेंड पहले अभिषेक के गोल के दम पर 4-3 से मिली जीत से फाइनल में जगह बनाई।

डिफेंस रखना होगा मजबूत
पिछली बार की चैंपियन भारतीय टीम को डिफेंस मजबूत रखना होगा। डिफेंस के चरमराने से ही पाकिस्तानी टीम का वापसी का मौका मिला था। सेमीफाइनल और फाइनल के बीच एक ही दिन का अंतर होने से रिकवरी भी अहम होगी। दूसरी ओर मलयेशिया ने दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। पिछले तीन बार में मलयेशिया दूसरी बार फाइनल में पहुंचा है।

भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, मलयेशिया ने अच्छा प्रदर्शन किया है और यह मुकाबला अच्छा रहेगा। हमने काफी समय से मलयेशिया से खेला नहीं है। दोनों टीमें आक्रामक खेलती हैं और खिलाड़ियों के पास हुनर के साथ रफ्तार भी है। हम सिर्फ अपनी रणनीति पर फोकस करना चाहते हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने स्वर्ण जीतकर एशियन गेम्स में अपने अभियान का अंत शानदार तरीके से किया। अब पुरुष हॉकी टीम के पास लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीतने का मौका है। पुरुष हॉकी टीम का फाइनल में सामना मलयेशिया से है। भारत को हॉकी में एक और स्वर्ण की उम्मीद होगी।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम को मलयेशिया के खिलाफ एशियन गेम्स के फाइनल में शनिवार को अपना खिताब बरकरार रखने और लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का टिकट कटाने के लिए गलतियों से सबक लेकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम ने कभी लगातार दो एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक नहीं जीता है और उसके पास शनिवार को यह कामयाबी हासिल करके भारतीय हॉकी का सुनहरा अध्याय लिखने का मौका है।

पिछली गलतियों से बचना होगा
सेमीफाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ लचर प्रदर्शन के बाद अब मलयेशिया के खिलाफ उन गलतियों को दोहराने से बचना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ 23वें मिनट तक तीन गोल की बढ़त बनाने के बाद भारत ने दूसरे हाफ में तीन गोल गंवा दिए और आखिरी सीटी बजने से 49 सेकेंड पहले अभिषेक के गोल के दम पर 4-3 से मिली जीत से फाइनल में जगह बनाई।

डिफेंस रखना होगा मजबूत
पिछली बार की चैंपियन भारतीय टीम को डिफेंस मजबूत रखना होगा। डिफेंस के चरमराने से ही पाकिस्तानी टीम का वापसी का मौका मिला था। सेमीफाइनल और फाइनल के बीच एक ही दिन का अंतर होने से रिकवरी भी अहम होगी। दूसरी ओर मलयेशिया ने दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। पिछले तीन बार में मलयेशिया दूसरी बार फाइनल में पहुंचा है।

95 पर भारत को छठा झटका, शिवम दुबे 15 गेंद पर 27 रन बनाकर आउट

IND vs PAK Live Score: भारत को छठा झटका
भारत को 195 के स्कोर पर छठा झटका लगा। शिवम दुबे को अहमद दानियाल ने सदाकत के हाथों कैच कराया। वह 15 गेंद में दो चौके और दो छक्के की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए। फिलहाल अक्षर पटेल और तिलक वर्मा क्रीज पर हैं।

IND vs PAK Live Score: तिलक ने बरसाए छक्के
18 ओवर के बाद भारत ने पांच विकेट पर 172 रन बना लिए हैं। तिलक वर्मा 16 गेंद में 30 रन और दुबे 10 रन बनाकर क्रीज पर हैं। 18वें ओवर में सुफियान मुकीम की आखिरी दो गेंद पर तिलक ने छक्के लगाए।

IND vs PAK Live Score: 17 ओवर का खेल हुआ
17 ओवर के बाद भारत ने पांच विकेट गंवाकर 154 रन बना लिए हैं। फिलहाल शिवम दुबे नौ रन और तिलक वर्मा 13 रन बनाकर क्रीज पर हैं। इन दोनों के बीच 20 से ज्यादा रन की साझेदारी हो चुकी है।

IND vs PAK Live Score: भारत को पांचवां झटका
भारत को 15वें ओवर में 133 के स्कोर पर पांचवां झटका लगा। कप्तान श्रेयस अय्यर 24 गेंद में 21 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके लगाए। फिलहाल उपकप्तान तिलक वर्मा और शिवम दुबे क्रीज पर हैं। 15 ओवर के बाद भारत का स्कोर पांच विकेट पर 137 रन है। भारत का स्कोर एक विकेट तीन विकेट पर 128 रन था। इसके बाद 128 के स्कोर पर चौथा और 133 के स्कोर पर पांचवां झटका लगा। पांच रन बनाने के बीच में भारत ने ईशान किशन और श्रेयस के विकेट गंवा दिए। श्रेयस और ईशान के बीच 32 गेंद में 35 रन की साझेदारी हुई।

भारत vs वेस्टइंडीज: क्या धोनी की इस सलाह ने कप्तान शाई होप को बना दिया हीरो? अपनी टीम को क्लीन स्वीप से बचाया

भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में वेस्टइंडीज ने 352 रन का लक्ष्य पांच विकेट से हासिल कर इतिहास रच दिया। शाई होप ने नाबाद 162 रन की पारी खेली। मैच के बाद उन्होंने बताया कि एमएस धोनी की एक सलाह ने उन्हें दबाव में धैर्य बनाए रखने और लक्ष्य को छोटे हिस्सों में बांटकर हासिल करने में मदद की।

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में ऐसी पारी खेली, जिसने उनकी टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी। भारत ने 351/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जवाब में वेस्टइंडीज ने 48.2 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। होप 143 गेंदों पर 162 रन बनाकर नाबाद रहे।

मैच के बाद होप ने बताया कि भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी की कही एक बात उन्हें इस मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते समय याद आ रही थी। होप ने कहा कि धोनी ने उनसे कहा था कि उनके पास जितना वह सोचते हैं, उससे ज्यादा समय होता है। होप ने कहा, 'मेरी महान खिलाड़ी एमएस धोनी के साथ अच्छी बातचीत हुई थी। उन्होंने मुझसे कहा था कि आपके पास हमेशा उतना समय होता है, जितना आप सोचते हैं उससे ज्यादा। इसलिए हमने लक्ष्य को छोटे हिस्सों में बांटने की कोशिश की।'

352 रन के लक्ष्य का दबाव नहीं आने दिया
वेस्टइंडीज की शुरुआत लक्ष्य के लिहाज से आसान नहीं थी। टीम के कुछ प्रमुख बल्लेबाज उपलब्ध नहीं थे और होप को 50 ओवर तक विकेटकीपिंग करने के बाद पारी की शुरुआत भी करनी पड़ी। इसके बावजूद उन्होंने धैर्य नहीं खोया। होप ने बताया कि उन्हें ग्रोइन के आसपास परेशानी भी महसूस हुई, लेकिन उन्होंने अंत तक लड़ने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि भारत को ओवर रेट की वजह से फील्डरों को अंदर लाना पड़ सकता था और इसी बात को ध्यान में रखते हुए उन्होंने धैर्य बनाए रखा। अमीर जांगू ने 67 रन और कीमो पॉल ने 44 रन की उपयोगी पारी खेली। वहीं होप ने नाबाद 162 रन बनाकर वेस्टइंडीज को लक्ष्य तक पहुंचाया। यह वनडे में वेस्टइंडीज का सबसे बड़ा सफल रन चेज भी रहा।

भारत ने पहले खड़ा किया था 351 रन का स्कोर
इससे पहले भारत ने 50 ओवर में 351/7 रन बनाए थे। केएल राहुल ने नाबाद 129 रन की शानदार पारी खेली। रोहित शर्मा ने 92 और ऋतुराज गायकवाड़ ने 57 रन बनाए। भारत के विशाल स्कोर के बाद वेस्टइंडीज की जीत की उम्मीद कम ही नजर आ रही थी, लेकिन होप ने पूरी तस्वीर बदल दी। भारत पहले ही तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती दोनों मुकाबले जीतकर सीरीज अपने नाम कर चुका था। इसलिए तीसरे वनडे में वेस्टइंडीज की जीत उसके लिए सांत्वना जीत रही, लेकिन इस प्रदर्शन ने टीम को आगामी मुकाबलों के लिए बड़ा आत्मविश्वास दिया।

गिल ने फील्डिंग और डेथ बॉलिंग पर जताई चिंता
भारत के कप्तान शुभमन गिल ने हार के बाद टीम की कुछ कमजोरियों को स्वीकार किया। उन्होंने खास तौर पर फील्डिंग और डेथ ओवर की गेंदबाजी को लेकर चिंता जताई। गिल ने कहा, 'हमने करीब छह-सात कैच छोड़े। यह अच्छा संकेत नहीं है, खासकर विश्व कप से पहले।' उन्होंने डेथ ओवर में रणनीति को लेकर भी सुधार की जरूरत बताई। गिल ने कहा, 'हमें अपनी डेथ बॉलिंग पर काम करना होगा। हमें यह स्पष्ट नहीं है कि हम आक्रमण कर रहे हैं या बचाव। डेथ ओवर में फील्डिंग को लेकर भी हमें स्पष्टता हासिल करनी होगी।' भारत ने इससे पहले दूसरे वनडे में 400 से ज्यादा रन दिए थे, हालांकि वह मुकाबला जीतने में सफल रहा था। तीसरे वनडे में भी गेंदबाजी और फील्डिंग की कमियों ने टीम को मुश्किल में डाल दिया। दूसरी ओर, होप की पारी ने वेस्टइंडीज को भारत के खिलाफ यादगार जीत दिला दी।

ब्राजील की टीम कोलकाता पहुंची: पहली बार भारत से खेलेगी अंतरराष्ट्रीय मैच

भारत और ब्राजील के बीच कोलकाता में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबला खेला जाएगा। इसके लिए ब्राजील की टीम कोलकाता पहुंच गई है। यह पहली बार होगा जब ब्राजील की टीम भारत के खिलाफ मैच खेलेगी।

भारतीय फुटबॉल टीम अभी तक के अपने सबसे बड़े मुकाबले में शनिवार को जब पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील के खिलाफ प्रतिष्ठित सॉल्ट लेक स्टेडियम में मैत्री मैच खेलने के लिए उतरेगी तो वह बिना किसी दबाव के अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलने की कोशिश करेगी। कई स्टार खिलाड़ियों से सजी और विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज ब्राजील पहली बार भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा। उसकी टीम में रियाल मैड्रिड के फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर, आर्सेनल के डिफेंडर गैब्रियल मैगाल्हेस, मिडफील्डर ब्रूनो गुइमारेस और अनुभवी मार्क्विनहोस शामिल हैं।

कोलकाता में ब्राजील का है बड़ा फैन बेस
ब्राजील की टीम ऐसे शहर पहुंची है जहां उनकी पीली जर्सी के दीवानों की कमी नहीं है। विश्व कप के दौरान यह शहर ब्राजील और अर्जेंटीना की जर्सी रंग से पटा रहता है। कागजों पर भले ही यह मुकाबला बेमेल नजर आ रहा हो लेकिन 138वें स्थान पर काबिज भारत के लिए अपनी प्रगति को परखने का यह शानदार मौका है। भारतीय टीम कभी भी विश्व कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई है और वह सऊदी अरब में होने वाले 2027 एशियाई कप के लिए भी क्वालिफाई करने में असफल रही है जिससे पता चलता है कि एशिया की मजबूत टीमों और भारत के बीच भी बड़ा अंतर है।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
- सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक निर्भय कुमार सेंगर के लिए 'प्लेनेट न्यूज इंडिया' प्रेस से छपवाकर, बी-9, गायत्री भवन, विकास कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास, रामघाट रोड, अलीगढ़ (उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300